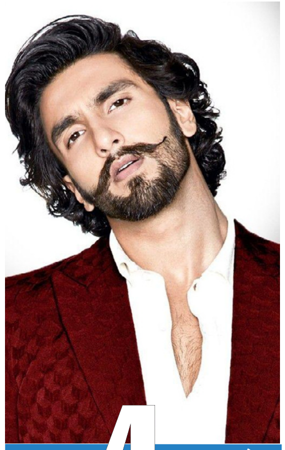

पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

'कांतारा' विवाद को लेकर रणवीर सिंह को फटकार

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का लोकप्रिय हिंदी दैनिक

उल्हास विकास

■ वर्ष : 45 ■ अंक : 295 ■ बुधवार 25 फरवरी 2026 3 रुपए ■ पृष्ठ 4

FOLLOW US @ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com Google Play | GET IT ON ULHAS VIKAS Google Play | Subscribe to our ULHAS VIKAS YouTube Channel | Subscribe

संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.L.B., M.A. Mobile.:- 9822045566

epaper.ulhasvikas.com

उल्हास नदी प्रदूषण के जाल में

357 MLD सीवेज जाता है नदी में

1,716 MLD पानी निकाला जाता है नदी से

■ नदी प्रदूषित, पानी दूषित फिर भी पानी का दर बढ़ाया गया

■ नागरिकों में नाराजगी

उल्हासनगर. उल्हास नदी से हर दिन करोड़ों लीटर पानी पंप किया जाता है और सैकड़ों MLD सीवेज वापस उसी नदी में छोड़ दिया जाता है। इस डरावनी सच्चाई को देखते हुए नागरिक सवाल उठा रहे हैं कि उल्हासनगर के लोगों को दिया जाने वाला पानी शुद्ध है या सीवेज का। पानी दूषित है, नदी प्रदूषित है और फिर भी पानी का टैरिफ बढ़ाने का यह गलत तरीका अब सामने आया है।

महाराष्ट्र जल संसाधन विभाग द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, उल्हास नदी से हर दिन अलग-अलग प्रशासनिक संस्थाओं, नगर पालिकाओं, नगर निगमों, ग्राम पंचायतों, रिसॉर्ट्स और इंडस्ट्रियल कंपनियों द्वारा 1,716 MLD पानी पंप किया जाता है। दूसरी ओर, महाराष्ट्र जल संसाधन विभाग की रिपोर्ट के अनुसार, एक गंभीर बात सामने आई है कि उल्हास नदी में हर दिन 357 MLD सीवेज छोड़ा जा रहा है। इन दोनों आंकड़ों को मिलाकर देखें तो यह साफ़ है कि उल्हास नदी का 25 परसेंट से ज़्यादा पानी सीवेज, केमिकल से खराब और गंदा है। दूसरे शब्दों में, जिस नदी पर पूरे इलाके के लोग पानी की सप्लाई के लिए निर्भर हैं, वह आज प्रदूषण के जाल में फंसी हुई है। इससे न सिर्फ़ नदी के कुदरती वजूद को, बल्कि लाखों लोगों की सेहत को भी सीधा खतरा है।

उल्हासनगर महानगर पालिका ने हाल ही में पानी का टैरिफ बढ़ाने का जो फ़ैसला किया है, उससे गुस्सा फैल रहा है। मनपा MIDC से पानी खरीदकर लोगों को देती है; लेकिन, यह सवाल कि क्या महानगर पालिका उल्हास नदी में मिलने वाले सीवेज को कम करने के लिए कोई ठोस और असरदार कदम उठा रही है?

> "उल्हास नदी सिर्फ़ पानी का सोर्स नहीं है, बल्कि लाखों लोगों की सेहत के लिए लाइफ़लाइन है। अगर आज इस नदी में 25 परसेंट से ज़्यादा सीवेज और केमिकल वाला पानी मिलता है, तो यह प्रशासन की बड़ी नाकामी है। एक तरफ़ नदी को गंदा रखना, सीवेज मैनेजमेंट प्रोजेक्ट्स को कागज़ों पर रखना, और दूसरी तरफ़ साफ़ पानी के नाम पर लोगों पर महंगाई का बोझ डालना सरासर नाइंसाफ़ी है। लोगों के मल-मूत्र को प्रोसेस करके वही पानी उनके गले में डालना और उनसे पैसे वसूलना इंसानियत के खिलाफ़ है। अगर उल्हास नदी को साफ़ करने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया, तो यह लड़ाई और तेज़ होगी।
>
> – **शशिकांत दयामा**, पर्यावरणविद

■ सिर्फ़ बचाव के नारे

उल्हास नदी की सफ़ाई के लिए सीवेज मैनेजमेंट प्रोजेक्ट्स को असरदार तरीके से लागू करना, गंदगी फैलाने वालों पर सख़्त कार्रवाई करना और लोगों को सच में साफ़ पानी मिले, यह पक्का करना प्रशासन और लोगों के नुमाइंदों की मिली-जुली ज़िम्मेदारी है। नहीं तो, "पानी बचाना" और "नदी साफ़ करना" जैसे शब्द सिर्फ़ नारे ही रह जाएँगे, और लोगों की सेहत की कीमत दिन-ब-दिन बढ़ती ही जाएगी.

म्हारल गांव के पास मेन रोड पर दर्दनाक हादसा

बाइक सवार युवक को डंपर ने कुचला

■ मालेगांव निवासी वैभव भामरे की मौत

■ ठारवानी काम्प्लेक्स के पास सुबह 10 बजे घटना

■ स्थानीय निवासियों में आक्रोश

उल्हासनगर. उल्हासनगर के पास म्हारल वरप गांव मेन रोड पर ठारवानी काम्प्लेक्स के पास मंगलवार सुबह करीब 10 बजे एक डंपर चालक ने मोटरसाइकिल सवार को कुचल दिया जिससे मोटरसाइकिल सवार की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। मृतक युवक का नाम वैभव भामरे बताया गया है जो मालेगांव का निवासी है। 25 वर्षीय युवक जब अपनी तेज रफ्तार बाइक से डंपर को ओवरटेक कर रहा था तभी सामने से बाइक एक और बाईक आ गई और उसने ब्रेक लगाया और सीधे डम्पर के पहिये के नीचे आ गया। घटना सीसीटीवी में कैद हो गई है। स्थानीय गृह संकुल होने के कारण यहां हादसों में वृद्धि हो रही है। पुलिस ने गाड़ी चलाते समय ओवरटेक न करने और फोन पर बात न करने की हिदायत दी है। स्थानीय निवासियों में घटना के बाद डर का माहौल है। यातायात पुलिस को यहां विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है।

अंबरनाथ में पत्रकारों को बजट सभा में दूर रखा गया

■ पत्रकार कक्ष का स्पीकर बंद

■ पत्रकार कक्ष पर नगरसेवकों के बॉडीगार्ड, परिजनों का कब्जा

■ सभागृह में पत्रकार कक्ष देने से इंकार

अंबरनाथ. अंबरनाथ नगर परिषद की बजट आम सभा गत दो दिनों से चल रही है. प्रशासन पत्रकारों को बजट सभा से वंचित रखने का प्रयास कर रहा है. दो दिनों से पत्रकार कक्ष में लगाया गया स्पीकर बॉक्स बंद होने से उनकी समझ में नहीं आ रहा है कि वह पाठकों तक खबर को कैसे पहुंचाए. पारदर्शिता नहीं रह गई है. सन 2025-26 का अनुमानित अंबरनाथ नपा का क्या बजट नगराध्यक्षा पेश कर रही है. नगरसेवक इस बजट पर अपनी राय और प्रस्ताव क्या पेश कर रहे हैं, ये पत्रकारों को मालूम नहीं पड़ रहा है. जिसके कारण पत्रकार कक्ष में से पत्रकार उठकर चले गए. नपा प्रशासन पत्रकारों को बजट सभा से दूर रखने का प्रयत्न कर रहा है. पत्रकारों को सभागृह में ही अंदर की तरफ बैठने के लिए जगह दी जाए, सभा में प्रदीप पाटिल द्वारा ऐसी मांग किए जाने पर शिवसेना की एक नवनिर्वाचित नगरसेविका ने इसका विरोध किया. जिसका निषेध शहर के पत्रकारों ने किया. इस मामले को लेकर नगराध्यक्षा, मुख्याधिकारी भी चुप हैं. पत्रकारों को सभागृह के ऊपर की गैलरी में पत्रकार कक्ष दिया गया है, लेकिन इस गैलरी में महिला नगरसेवक के पति, उनके परिजन और नगरसेवकों के साथ आए दर्जनों बॉडीगार्ड ने कब्जा जमा लिया है. जो पत्रकारों के बिल्कुल कांच के सामने खड़े होकर सभा का कामकाज देख रहे हैं. पत्रकारों को कुछ देखने को भी नहीं मिल रहा है. पत्रकारों को प्रशासन द्वारा दिया जाने वाला भोजन भी कई सुरक्षा रक्षक एवं नगरसेवकों के बॉडगार्ड हजम कर रहे हैं.

अंबरनाथ भाजपा नेता पर महिला ने लगाया आरोप

■ नेता अरबाज खान ने कहा - आरोप झूठे, बेबुनियाद

अंबरनाथ. अंबरनाथ के एक भाजपा नेता अरबाज खान पर उनका ब्यूटी पार्लर चलाने वाली महिला रेणूका तोमर ने आरोप लगाया है कि अरबाज के कहने पर उन्होंने ब्यूटी पार्लर शुरू किया. जिसमें कई लड़कियों को वह पार्लर का कार्स सिखा रही थी. चुनाव से पूर्व पार्लर बंद कर दिया गया. उनका वेतन नहीं दिया गया. उनका फर्नीचर जब्त कर लिया. ऐसा आरोप लगाने के बाद भाजपा नेता ने पत्रकार परिषद लेकर अपने बयान में कहा है कि रेणुका उन्हें बदनाम करके ब्लैकमेल करने की साजिश कर रही है. उस पर हमने डिफरमेशन का केस दाखिल किया है. उसने पार्लर में सीख रही महिलाओं को उकसाना शुरू कर दिया था. लड़कियों को उससे दूर रखने के लिए उन्होंने अपना ब्यूटी पार्लर बंद कर दिया और उसे काम पर से हटा दिया था. पार्लर में सीख रही लड़कियों को वह निःशुल्क सिखा रहे थे. मैं क्यों रेणुका का वेतन बाकी रखूंगा. पार्लर में सारा सामान हमारी मिल्कियत था, जो हमने रख लिया है. शबनम नामक महिला ने बताया कि हम सबने मिलकर रेणुका को सहारा दिया. वह हमें बदनाम करने की साजिश करके झूठा बयान देकर अरबाज पर आरोप लगा रही है. ब्यूटी पार्लर में सीख रही कई महिलाओं ने रेणुका पर आरोप लगाया कि उसने ही पार्लर को बंद कराया है क्योंकि वह महिने में चार पांच दिन ही पार्लर आती थी.

17 टैक्स बकायेदारों की प्रॉपर्टी सील

■ मनपा की नोटिस को नज़रअंदाज़ करना महंगा पड़ा

उल्हासनगर. उल्हासनगर मनपा ने बार-बार नोटिस जारी किए, अपील की, अभय योजना की घोषणा की, लेकिन फिर भी बकायेदारों ने प्रॉपर्टी टैक्स नहीं भरा। इसलिए, आखिरकार बकायेदारों के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए, सीधे प्रॉपर्टी सील करने का अभियान शुरू किया गया है। अब तक 17 प्रॉपर्टी मालिकों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। प्रशासन की इस कड़ी कार्रवाई से शहर के डिफॉल्टरों में हड़कंप मच गया है, और कई लोगों ने तुरंत टैक्स भरने के लिए कदम उठाना शुरू कर दिया है।

टैक्स असेसर और कलेक्टर नीलम कदम ने जानकारी देते हुए बताया कि मनपा आयुक्त मनीषा आव्हाले के साफ निर्देशों के अनुसार, बकाया प्रॉपर्टी टैक्स वसूलने के लिए सख्त कार्रवाई की गई है। कई नोटिस, पर्सनल कॉन्टैक्ट और पब्लिक अपील के बावजूद, कुछ नागरिकों ने टैक्स नहीं भरा। इसलिए, प्रशासन ने अब सीधे प्रॉपर्टी सील करने की कार्रवाई करने का फैसला किया है। एडिशनल कमिश्नर किशोर गवस और डिप्टी कमिश्नर विशाखा मोटघरे की मार्गदर्शन में प्रॉपर्टी टैक्स डिपार्टमेंट की टीम ने शहर के अलग-अलग हिस्सों में अभियान चलाया। इस ऑपरेशन के दौरान 17 प्रॉपर्टीज़ सील की गईं। दिलचस्प बात यह है कि ऑपरेशन के दौरान कुछ डिफॉल्टर्स ने तुरंत चेक जमा करके अपना बकाया चुका दिया, जिसके बाद संबंधित प्रॉपर्टीज़ पर लगी सील हटा दी गईं।

अभय स्कीम को लेकर गलतफहमियां

नीलम कदम ने अभय योजना को लेकर पैदा हुई गलतफहमियों को भी साफ किया, उन्होंने कहा कि यह स्कीम सिर्फ रेजिडेंशियल प्रॉपर्टी मालिकों के लिए है। यह नॉन-रेजिडेंशियल प्रॉपर्टीज़ पर लागू नहीं है। इसलिए, बिना किसी गलतफहमी के, नागरिकों से अपील की गई है कि वे तुरंत बकाया टैक्स चुकाएं। महानगर पालिका के इस ठोस और बोल्ड एक्शन से बाकी डिफॉल्टर्स पर भी दबाव पड़ा है। उम्मीद है कि इससे शहर का रेवेन्यू बढ़ेगा।

अंबरनाथ नगर परिषद का बजट पेश

■ टैक्स में कोई बढ़ोतरी नहीं

■ आय से ज़्यादा अनुदान पर निर्भर

अंबरनाथ. छह साल बाद, सोमवार को अंबरनाथ म्युनिसिपल काउंसिल का बजट लोगों की मौजूदगी में पेश किया गया। कुल 42 लाख 28 हज़ार 320 रुपये का बजट पेश किया गया, जिसमें 740 करोड़ 90 हज़ार रुपये की इनकम और 739 करोड़ 58 लाख 62 हज़ार 600 रुपये का खर्च बताया गया। इस साल के बजट में कोई टैक्स बढ़ोतरी का प्रस्ताव नहीं है। प्रॉपर्टी टैक्स और दूसरे टैक्स से नपा की इनकम 261 करोड़ 91 लाख रुपये होगी। जबकि अंबरनाथ नगर परिषद को अनुदान से 366 करोड़ 73 लाख रुपये का कैपिटल मिलेगा।

वित्त वर्ष 2026-27 के लिए अंबरनाथ नगर परिषद का बैलेंस बजट मंगलवार को हाउस में पेश किया गया। छह साल बाद लोगों की मौजूदगी में पेश किए गए पहले बजट में, यह देखा गया कि शिंदे की शिवसेना और BJP के कॉर्पोरेटर आपस में भिड़ गए। दोनों ग्रुप्स के बीच कई मुद्दों पर मतभेद देखने को मिले। खास तौर पर, ऑर्डनेंस प्रोडक्शन इंस्टीट्यूट के लिए 6 एकड़ ज़मीन खरीदने के मुद्दे पर दोनों रूलिंग ग्रुप्स में टकराव हुआ। आखिर में, इस खरीद के लिए 9 करोड़ रुपये देने पर सहमति बनी। शहर में प्राइमरी एजुकेशन के लिए भी 10 करोड़ रुपये का बड़ा प्रोविज़न किया गया है।

बजट में किए गए ज़रूरी प्रावधान

चौराहों का सौंदर्यीकरण – 4 करोड़, अंडरग्राउंड नालों की मरम्मत – 3 करोड़, नालों की सफाई – 1 करोड़, खोदी गई सड़कों की मरम्मत – 5 करोड़, पब्लिक टॉयलेट की मरम्मत – 1.5 करोड़, नगरपालिका की इमारतों की मरम्मत – 3 करोड़, डेवलपमेंट प्लान में सड़कों की मरम्मत 12 करोड़, अंडरग्राउंड नालों, सीवर और नालों की मरम्मत 12 करोड़, शहर में रिज़र्वेशन का रीडेवलपमेंट – 5 करोड़, CCTV नेटवर्क का रीकंस्ट्रक्शन – 5 करोड़, सोलर पावर प्रोजेक्ट की मरम्मत 1 करोड़, ई-व्हीकल चार्जिंग स्टेशन की मरम्मत – 75 लाख, फायर स्टेशन की बिल्डिंग की मरम्मत – 2 करोड़, वार्ड में पब्लिक यूटिलिटी के कामों की मरम्मत – 5 करोड़, पहली बार नगर निगम कर्मचारियों को दिवाली पर एक्स-ग्रेशिया ग्रांट देने के लिए 1 करोड़ 20 लाख रुपये का प्रावधान किया गया है। यह ग्रांट कई सालों से कर्मचारियों को दिवाली पर नहीं दी गई है।

इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने के लिए भी प्रोविज़न किया गया है। अंडरग्राउंड सीवर, सड़क, नालियां, पानी की सप्लाई, कुएं और रोड सेफ्टी के लिए भी फंड दिए गए हैं।

सॉलिड वेस्ट पर सबसे ज़्यादा रेवेन्यू खर्च

शहर में सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट का सबसे विवादित मुद्दा भी रेवेन्यू खर्च में सबसे ऊपर देखा गया है। म्युनिसिपल काउंसिल ने सॉलिड वेस्ट कलेक्शन और ट्रांसपोर्टेशन के लिए 18 करोड़ रुपये के रेवेन्यू खर्च की उम्मीद की है। सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट प्रोसेस के लिए 20 लाख रुपये, सॉलिड वेस्ट प्रोजेक्ट के तहत होने वाले अलग-अलग कामों के लिए 2 करोड़ रुपये और लैंडफिलिंग के लिए 40 लाख रुपये, यानी कुल 20 करोड़ 60 लाख रुपये सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट पर खर्च किए जाएंगे।

स्ट्रीट लाइट पर 4.5 करोड़ रुपये

शहर के ज़्यादातर हिस्सों में खराब स्ट्रीट लाइट के मेंटेनेंस और रिपेयर पर 4.5 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। ट्रैफिक कंट्रोल आइलैंड पर 4 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे।

मुरबाड़ के फॉर्म हाउस में चोरी करने वाला पकड़ा गया

मुरबाड़. मुरबाड़ तहसील के ग्राम तुलई स्थित एक फार्म हाउस में चोरी की घटना को अंजाम देने वाली शातिर चोर को घटना के मात्र दो दिन के भीतर ही आरोपी को गिरफ्तार करने में स्थानीय पुलिस को सफलता मिली है. आरोपी डोंबिवली का रहने वाला है तथा उसका नाम क्रिश जितेश संघवी है. पुलिस से प्राप्त जानकारी के मुताबिक उक्त फॉर्म के मालिक रविंद्र दत्तू जोशी (62) ने शाम के समय गले में पहने हुई तकरीबन 22 ग्राम सोने की चेन को अलमारी में रखकर सो गये. बेड के पास उनका कीमती मोबाइल फोन भी था.अज्ञात चोर दोनों चीजों को चुराकर ले गया. पुलिस में शिकायत दर्ज होने के बाद पुलिस ने सीसीटीवी खंगाले जिस उन्हें कामयाबी मिल गई. पुलिस ने डोंबिवली के नवापाड़ा से इस संबंध में क्रिश जितेश संघवी को पकड़ा.

155 वाहन चालकों पर जुर्माना

■ नियम तोड़ने वालों के खिलाफ अभियान

■ ट्रैफिक पुलिस टीम एक्शन मोड पर

उल्हासनगर. इलाके में बढ़ती गैर-कानूनी पार्किंग और ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन को देखते हुए विठ्ठलवाड़ी ट्रैफिक पुलिस ने सख्त रुख अपनाया और एक खास अभियान चलाया। सीनियर पुलिस इंस्पेक्टर अनिल पडवल ने बताया कि इस अभियान में 155 ड्राइवरों के खिलाफ कार्रवाई की गई। नेताजी चौक (कैंप 4) पर की गई कार्रवाई से ड्राइवरों में हड़कंप मच गया और कई लोग जल्दबाजी में अपनी गाड़ियां निकालते दिखे।

विठ्ठलवाड़ी ट्रैफिक डिपार्टमेंट के सीनियर पुलिस इंस्पेक्टर अनिल पडवल ने बताया कि मिली शिकायतों के आधार पर कैंप 4 और कैंप 5 में मुख्य सड़कों पर गैर-कानूनी तरीके से पार्क की गई गाड़ियों के खिलाफ कार्रवाई की गई। सड़क के किनारे खड़ी गाड़ियों के साथ-साथ ट्रैफिक में रुकावट डालने वाली गाड़ियों के खिलाफ ऑनलाइन चालान काटे गए।

दुकानों के सामने गाड़ियों के खिलाफ कार्रवाई

कार्रवाई के दौरान यह भी देखा गया कि कुछ गैराज चालक अपनी दुकानों के सामने सड़क पर गाड़ियां पार्क कर रहे थे, जिससे ट्रैफिक पर असर पड़ रहा था। इसे देखते हुए, ऐसे वाहनों के खिलाफ नियमों के मुताबिक कार्रवाई की गई। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। ट्रैफिक डिपार्टमेंट ने साफ कर दिया है कि इस तरह का अभियान आगे भी जारी रहेगा और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। नागरिकों से अपील की गई है कि वे अपनी गाड़ियां तय जगहों पर ही पार्क करें और ट्रैफिक सिस्टम को सुचारू बनाए रखने में सहयोग करें।

कल्याण-शीलफाटा से नवी मुंबई को जोड़ेगी नई 'मेट्रो 12A'

कल्याण. शहरी विकास मंत्री और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कल्याण से तलोजा तक 'मेट्रो 12' रूट के विस्तार को मंजूरी दे दी है। इसके साथ ही, 'मेट्रो 12A' प्रोजेक्ट अब दहिसर मोरी से कल्याण शीलफाटा होते हुए तलोजा तक फैल जाएगा। सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे ने बताया कि 8,414.53 करोड़ रुपये की लागत वाले इस प्रोजेक्ट के लिए प्रशासनिक मंजूरी मिल गई है। इस प्रोजेक्ट के साथ ही सांसद शिंदे ने MMRDA के जरिए शहर में हो रहे विकास कार्यों का भी निरीक्षण किया।

कल्याण-डोंबिवली इलाके में ट्रैफिक की स्पीड बढ़ाने के लिए कई प्रोजेक्ट पर काम चल रहा है। मेट्रो, रेलवे, सड़कें, फ्लाईओवर, एलिवेटेड रोड, रेलवे ब्रिज, सड़कों को चौड़ा करने जैसे प्रोजेक्ट पर काम चल रहा है और कई काम पूरे हो चुके हैं। इसके अलावा, MMRDA ने इस प्रोजेक्ट के पूरा होने के साथ ही इसके लिए 4,897 करोड़ रुपये का फंड मंजूर किया है और MP डॉ. शिंदे ने शुक्रवार को इस प्रोजेक्ट के मौजूदा स्टेटस का इंस्पेक्शन किया।

उन्होंने पलावा फ्लाईओवर, मेट्रो 12, तीसरा पटरी ब्रिज, विठ्ठलवाड़ी स्टेशन से कल्याण न्यू अहिल्यानगर हाईवे तक वालधुनी नदी के किनारे एलिवेटेड रोड और कल्याण रिंग रोड का इंस्पेक्शन किया। उन्होंने प्रोजेक्ट में तेज़ी लाने और प्रोजेक्ट के लिए ज़मीन अवेलेबल कराने के लिए ज़रूरी कब्ज़े हटाने के निर्देश दिए। इस मौके पर खास बात यह है कि उन्होंने तलोजा मेट्रो 12 के एक्सपेंशन का भी अनाउंसमेंट किया। इस रूट के एक्सपेंशन से अब कल्याण शील रूट पर कुछ और गांवों को भी इस मेट्रो का फ़ायदा मिलेगा। मेट्रो 12 रूट दो हिस्सों से होकर गुज़रेगा।

स्टेशन कहां-कहां होंगे?

पहली लाइन के स्टेशन तय हो गए हैं और दूसरी लाइन से डोंबिवली, मानपाड़ा, कटाई नाका, ग्रोथ सेंटर, देसाई नाका, पडले गांव, कल्याण फाटा, गोठेघर, दहिसर मोरी, दहिसरगांव, किरावली गांव, रोहिंजन और खुटारी गांव के यात्रियों को फायदा होगा। खुटारी में मेट्रो 12 और मेट्रो 12A एक-दूसरे से जुड़ेंगी। यह मेट्रो लाइन ग्रामीण इलाकों से होकर गुजरने वाली पहली मेट्रो होगी। अगर भविष्य में इसे मेट्रो 14 के साथ मिला दिया जाता है, तो इससे नवी मुंबई, कांजुरमार्ग से मुंबई तक सीधी यात्रा का फायदा होगा। लाइन पर विस्तारित कटाई नाका से कल्याण फाटा के बीच मेट्रो 14 के साथ जॉइंट ट्रक और स्टेशन शेयरिंग का प्रस्ताव है। यह मेट्रो लाइन निलजे डिपो, मेट्रो 14 और नेशनल हाई स्पीड रेलवे के ठाणे बुलेट ट्रेन स्टेशन से जुड़ी होगी। इस बेहतर लाइन की कुल लंबाई 18 .4 किलोमीटर है। अभी करीब 10 .5 किलोमीटर पर कंस्ट्रक्शन चल रहा है।

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास संपादकीय

खंभे में जंग या सिस्टम में?

देहरियाणा के रोहतक जिले में पिछले साल बास्केटबाल का खंभा गिरने से एक युवा राष्ट्रीय खिलाड़ी की मौत ने शासकीय लापरवाही और भ्रष्टाचार की कई परतें भी खोल दी थीं। तब इस मामले के तूल पकड़ने के बाद सरकार ने इसकी हर पहलू से जांच करने और जरूरत के मुताबिक सुधार के कदम उठाने की बात कही थी।

घटना के बाद एक जांच समिति भी गठित की गई थी, मगर हालत यह है कि अब तक उस समिति की विस्तृत रपट नहीं पेश की गई।यही वजह है कि हरियाणा मानवाधिकार आयोग ने खिलाड़ी की मौत पर चिंता जताते हुए इसे मानव अधिकारों का उल्लंघन बताया है। गौरतलब है कि रोहतक के उपायुक्त की ओर से जो रपट भेजी गई, उसमें घटना के वास्तविक कारणों और सुरक्षा मानकों का ठोस ब्योरा तक नहीं है।

इसमें केवल बास्केटबाल स्टेडियम बनाने के लिए लाखों रुपए की राशि स्वीकृत किए जाने का जिक्र है। आयोग ने इसे संज्ञान में लिया है और अब पूरे मामले पर सरकार से रपट मांगी है। यह दुखद है कि खेलों के लिए पर्याप्त राशि खर्च किए जाने पर भी खिलाड़ियों को प्रशिक्षण के लिए पर्याप्त संसाधन नहीं मिलता और खेल सुविधाओं में गुणवत्ता नहीं दिखती।

बास्केटबाल मैदान में अगर खंभे में जंग लगी थी और वह कमजोर होने के कारण गिरने की स्थिति में था, तो वहां किसी खिलाड़ी को अभ्यास करना या खेलने से रोकना और खंभा तुरंत बदलना किसकी जिम्मेदारी थी? अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि बार-बार की शिकायत के बावजूद उस खंभे की न मरम्मत की गई और न उसे हटाया गया।

सच यह है कि खेल के मैदान में नियमित रखरखाव होता, तो अभ्यास के दौरान बास्केटबाल खिलाड़ी की जान नहीं जाती। आयोग ने साफ तौर कहा है कि यह संबंधित अधिकारियों की घोर लापरवाही और उनके कर्तव्यों में चूक है।

ऐसा लगता है कि राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा और चिंता का कारण बनने के बावजूद इस मसले पर राज्य सरकार की उदासीनता और अनदेखी एक अघोषित नीति है! वरना जांच रपट में देरी न करना और इस मसले पर जरूरी कदम उठाना उसकी नजर में प्राथमिक दायित्व होता।

विचार: लगातार कठिन होता संसद का चलना

भारत की राजनीति आज ऐसी अवस्था में पहुंच गई है, जिसकी कल्पना नहीं की जाती थी। यह भारत के संसदीय इतिहास की अत्यंत गंभीर स्थिति है, जब लोकसभा अध्यक्ष के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस दिया गया, तो उसके समानांतर विपक्ष के नेता राहुल गांधी के विरुद्ध सब्स्टेंसिव मोशन। राहुल गांधी के विरुद्ध भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने लोकसभा अध्यक्ष को पत्र लिखकर सब्स्टेंसिव मोशन लाने की मांग की है। भाजपा ने पहले राहुल गांधी के विरुद्ध विशेषाधिकार हनन का प्रस्ताव लाने की बात की थी, किंतु अब सब्स्टेंसिव मोशन लाने की पहल की है। सब्स्टेंसिव मोशन विशेषाधिकार हनन से ज्यादा गंभीर होता है। सब्स्टेंसिव मोशन स्वतंत्र प्रस्ताव होता है, जिसमें किसी सांसद के विरुद्ध स्पष्ट निर्णय सामने आता है। इस प्रस्ताव पर बहस और मतदान होता है तथा पारित होने पर सदन का आधिकारिक रुख और मत प्रकट होता है।

यानी संबंधित सांसद का आचरण और चरित्र संसद के अनुकूल है या नहीं, उन्हें सांसद होना चाहिए या नहीं, उन्हें भविष्य में चुनाव लड़ने देना चाहिए या नहीं आदि। इसके आधार पर उनके विरुद्ध कार्रवाई हो सकती है और सदन की सदस्यता भी जा सकती है। चुनाव आयोग को उन्हें चुनाव लड़ने से प्रतिबंधित करने की अनुशंसा भी की जा सकती है। जो भी हो, अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस मिलने के बाद से लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सदन में आना बंद कर दिया। अविश्वास प्रस्ताव के बाद बहस और परिणाम तक

लोकसभा अध्यक्ष सदन की कार्यवाही की अध्यक्षता नहीं कर सकते, लिहाजा उन्होंने यह निर्णय लिया है। यही बात किसी सांसद या विपक्ष के नेता पर लागू नहीं होती। विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव या सब्स्टेंसिव मोशन स्वीकृत होने के बावजूद संबंधित सदस्य सदन में रह सकते हैं। उन्हें अपना पक्ष रखने का समय दिया जा सकता है।

लोकसभा अध्यक्ष के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव पर नौ मार्च को बहस होने की संभावना है। उसी दौरान यह पता चलेगा कि राहुल गांधी के खिलाफ सब्स्टेंसिव मोशन स्वीकृत होता है या नहीं? चूंकि लोकसभा में भाजपा नेतृत्व वाले राजग को बहुमत है इसलिए ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव गिर जाएगा। यह बात सब्स्टेंसिव मोशन पर लागू नहीं होती। बहुमत के आधार पर राजग राहुल गांधी के विरुद्ध कार्रवाई का प्रस्ताव पारित कर सकता है। हालांकि कांग्रेस में उनके समर्थकों को इससे कोई परेशानी नहीं दिखाई देती। उलटे वे यह कहते हुए प्रफुल्लित हैं कि संसद में एजेंडा तो राहुल गांधी ही सेट कर रहे हैं और अब सब्स्टेंसिव मोशन के बहाने बहस भी उन्हीं के इर्द-गिर्द रहेगी। इससे सहज से अनुमान लगाया जा सकता है कि राहुल गांधी और उनके इर्द-गिर्द के रणनीतिकार किस दिशा में जा रहे हैं। अगर उनकी नजर में यही सही अर्थों में राष्ट्रीय एजेंडा निर्धारित करना है तो ऐसी कांग्रेस का भगवान ही मालिक है। राहुल गांधी अपने राष्ट्रीय दायित्वों की पूर्ति नहीं कर पा रहे हैं।

लगता है कि कांग्रेस के नेता चाहते हैं कि राहुल गांधी के खिलाफ कार्रवाई हो, ताकि लोगों में उनके प्रति सहानुभूति पैदा हो और वे इसका राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिश करें, लेकिन कांग्रेस के लोग जिस तरह लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के विरुद्ध अभियान चलाते रहे हैं उसका क्या? उनकी बेटी के सिविल सर्विस पास होने तक पर प्रश्न उठाए गए थे? कांग्रेस की महिला सांसदों द्वारा उनको लिखा गया पत्र तो और शर्मनाक है। कांग्रेस के सांसद लोकसभा अध्यक्ष के लिए ऐसी कठिन स्थिति पैदा करने की कोशिश करते हैं कि उन्हें फैसला लेने में ही समस्या हो। ओम बिरला यहां व्यक्ति नहीं लोकसभा अध्यक्ष जैसे गरिमापूर्ण पद पर हैं।

उनसे व्यक्तिगत मतभेद हो सकता है, उनसे नापसंदगी भी होगी, पर पद का सम्मान करना और विश्वास करना का प्राथमिक दायित्व भी नेता और संसद न निभाएं, तो यह शर्मनाक है। अगर राहुल गांधी के समर्थकों को लगता है कि संसद में चर्चा और बहस का एजेंडा सेट करना ही बड़ी राजनीतिक उपलब्धि है, तो कुछ दिन पहले एसआईआर एवं चुनाव आयोग के संदर्भ में भी उन्होंने ऐसी ही स्थिति पैदा की थी। उन्होंने अपनी ओर से पूरी तैयारी के साथ एसआईआर और चुनाव आयोग को कठघरे में खड़ा किया, बिहार में वोट अधिकार यात्रा की, लेकिन बिहार चुनाव परिणाम में उन्हें मुंह की खानी पड़ी। महाराष्ट्र चुनाव में अदाणी मुद्दा उनके लिए सर्वोपरि था, लेकिन वहां भी करारी हार हुई।

ड्रैगन चुनौती और ग्लोबल साउथ का सुनहरा उदय

मौजूदा दौर में दुनिया भर में भू-राजनीति के स्वरूप में जिस तेजी से उतार-चढ़ाव देखे जा रहे हैं, उसमें सभी देशों के सामने अपने भविष्य और विकास की राह सुरक्षित करने की चुनौती दिख रही है। खासतौर पर जिन कारकों पर आने वाले वर्षों में विकास की दिशा निर्भर करेगी, उसके मद्देनजर अलग-अलग देशों के बीच साझेदारी के नए अध्याय तैयार हो रहे हैं, विकल्प की राह खोजी जा रही है।

भारत और ब्राजील के बीच हुए समझौते को इसी की एक कड़ी के रूप में देखा जा सकता है, जिसमें मुख्य रूप से उन बिंदुओं पर सहमति बनी है, जिसमें सहयोग के क्षेत्र में विकल्प के नए रास्ते तैयार हों। आज दुनिया भर में यह चिंता सतह पर देखी जा रही है कि आने वाले वर्षों में विकास का आधार बनने वाले अहम कारकों को लेकर कैसे एक नई आपूर्ति श्रृंखला बनाई जाए।

भारत-ब्राजील के बीच हुआ समझौता इसी संदर्भ में महत्त्वपूर्ण हो जाता है कि इसके जरिए दोनों को अन्य मजबूत देशों पर निर्भरता कम करने में मदद मिलेगी। गौरतलब है कि इस समझौते में अगले पांच वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार को बीस अरब डालर से ज्यादा करने का लक्ष्य रखा गया है। इसे एक मजबूत आपूर्ति श्रृंखला बनाने की दिशा में काफी महत्त्वपूर्ण कदम माना जा रहा

है। समझौते में सबसे अहम सहमति दुर्लभ खनिजों और भू-धातुओं को लेकर बनी है, जो आने वाले वर्षों में समूची दुनिया में विकास के सबसे अहम कारक बनने वाले हैं।

इससे तकनीक के क्षेत्र में आदान-प्रदान, नई संभावनाओं की खोज, अनुसंधान और विकास को बढ़ावा मिलेगा। यह जगजाहिर तथ्य है कि आज लीथियम और कोबाल्ट जैसे अन्य दुर्लभ खनिज तथा भू-धातु विकास के संचालक तत्त्व बन रहे हैं। वैश्विक स्तर पर जिस तरह इलेक्ट्रिक वाहनों, ऊर्जा क्षेत्र, आधुनिक रक्षा उपकरणों के निर्माण और रोबोटिक्स उत्पादन के क्षेत्र में सभी देश अपनी स्थिति मजबूत करना चाहते हैं और इस संबंध में ज्यादा बेहतर अवसरों की तलाश में हैं। ऐसे में दुर्लभ खनिजों की मांग में काफी तेजी आने की उम्मीद है।

फिलहाल वैश्विक स्तर पर दुर्लभ खनिज प्रसंस्करण के सबसे बड़े हिस्से पर चीन का नियंत्रण है। भारत-ब्राजील के बीच हुए समझौते का एक मुख्य उद्देश्य आधुनिक उद्योग और तकनीक के लिए आवश्यक सामग्री की दीर्घकालिक आपूर्ति सुनिश्चित करना है और साथ ही इस क्षेत्र के प्रमुख आपूर्तिकर्ता और खासतौर पर चीन पर निर्भरता को कम करना है। भारत के लिए यह समझौता इसलिए महत्त्वपूर्ण है कि ब्राजील को चीन के बाद दुर्लभ खनिजों से समृद्ध दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा देश माना जाता है। ब्राजील के साथ नए करार के बाद भारत को इन खनिजों को सीधे हासिल करने में मदद मिलेगी। इसके अलावा, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को लेकर एक सहमति बनी है। इसका असर छोटे कारोबारियों पर भी पड़ेगा और उन्हें नई तकनीकों के साथ-साथ ब्राजील के बाजार और उसकी नीतियों के अनुकूल अपना रुख तय करने का मौका मिलेगा। साथ ही स्वास्थ्य, शिक्षा और डिजिटल क्षेत्र में विकास के अन्य अहम बिंदुओं पर भी सहयोग के नए आयाम खुले हैं। दोनों देशों के बीच साझेदारी ऐसे समय में सामने आई है, जब अमेरिका व्यापार समझौते में भारत के सामने अपने फायदे में शर्तें सामने रख रहा है। हालांकि यह ध्यान रखने की जरूरत है कि बहुध्रुवीय विश्व में अगर कोई विकसित देश अपने हित में विकासशील देशों पर दबाव को औजार बनाता है, तो आज एक बेहतर कूटनीति विकल्प की राह तैयार कर सकती है।

दुनिया की इकलौती जनजाति, जिसके पास नहीं है 'समय' का कोई ज्ञान

हम एक ऐसी दुनिया में रहते हैं, जहां हर सेकंड की कीमत है. घड़ी की सुइयां हमारे उठने, सोने और काम करने का फैसला करती हैं.

जरा हट के

लेकिन अमेजन के घने जंगलों में रहने वाली अमुंदावा जनजाति के लिए समय का कोई मोल नहीं है, क्योंकि उनकी डिक्शनरी में 'समय' शब्द ही नहीं है. आपको सुनकर ताज्जुब होगा, लेकिन बता दें कि ब्राजील के अमेजन वर्षावनों में रहने वाली इस जनजाति ने आधुनिक सभ्यता के सबसे बुनियादी आधार यानी 'समय' को ही नकार दिया है. यूनिवर्सिटी ऑफ पोर्ट्समाउथ के शोधकर्ताओं ने जब इस जनजाति पर गहराई से रिसर्च की, तो वे यह जानकर दंग रह गए कि अमुंदावा भाषा में समय, सप्ताह, महीने या साल जैसे शब्दों के लिए कोई अनुवाद मौजूद ही नहीं है. इनके लिए बस सूरज का उगना और डूबना ही काफी है. ये लोग पूरी तरह से

आज में जीते हैं और इन्हें कल की कोई परवाह नहीं होती.

इस जनजाति के बारे में सबसे मजेदार बात यह है कि इनके यहां किसी की उम्र का हिसाब नहीं रखा जाता. लैंग्वेज एंड कॉग्निशन में प्रकाशित अध्ययन के मुताबिक, अगर आप किसी अमुंदावा से पूछेंगे कि वह कितने साल का है, तो उसके पास इसका कोई जवाब नहीं होगा. यहां उम्र को नंबरों में नहीं नापा जाता, बल्कि पहचान से जोड़ा जाता है. जब इस जनजाति का कोई बच्चा बड़ा होता है, तो उसका नाम बदल दिया जाता है यानी नाम बदलना ही इस बात का सबूत है कि वह व्यक्ति अब बड़ा हो गया है. यहां एक इंसान अपने पूरे जीवन में कई बार अपना नाम बदलता है. यह तरीका हमें सिखाता है कि बिना नंबरों के भी समाज को चलाया जा सकता है. वैज्ञानिकों ने जब इनकी भाषा को गहराई से समझा, तो पाया कि अमुंदावा लोग 'समय बीत रहा है' जैसी बात समझ ही नहीं पाते. उनके लिए वक्त कोई ऐसी चीज नहीं है, जिसे पकड़ा जा सके या जिसका हिसाब रखा जा सके. उन्हें घड़ी या कैलेंडर की जरूरत कभी महसूस ही नहीं हुई. साल 2011 में बीबीसी ने इस पर रिपोर्ट पब्लिश की थी.

लौकी का स्वादिष्ट हलवा

भारत में त्योहारों का सीजन हो या घर पर कोई खास मेहमान आने वाले हों, मीठे के बिना हर दावत अधूरी लगती है। वैसे तो सूजी का हलवा बेहद पसंद किया जाता है, लेकिन अगर आप कुछ नया ट्राई करना चाहते हैं, तो लौकी का हलवा अच्छा ऑप्शन है। इसकी खुशबू, स्वाद और बनावट इसे बेहतरीन डिजर्ट बनाती है। आइए जानें लौकी का हलवा बनाने की रेसिपी।

सामग्री

- लौकी- 1 किलो (ताजी)
- दूध- 1/2 लीटर (फुल क्रीम)
- चीनी- 1 कप (स्वादानुसार कम या ज्यादा कर सकते हैं)
- देसी घी- 3-4 बड़े चम्मच
- मावा- 1/2 कप (मैश किया हुआ)
- हरी इलायची पाउडर- 1 छोटा चम्मच
- कटे हुए मेवे- बादाम, काजू और पिस्ता

बनाने की विधि

सबसे पहले लौकी को धोकर छील लें। अब इसे कद्दूकस करें। ध्यान रहे कि केवल बाहरी हिस्से को ही कद्दूकस करें और बीच के बीज वाले नरम हिस्से को छोड़ दें। कद्दूकस करने के बाद, लौकी को हल्के हाथों से दबाकर उसका एक्स्ट्रा पानी

निकाल दें।

अब एक भारी तले की कड़ाही में घी गर्म करें। इसमें कद्दूकस की हुई लौकी डालें और मध्यम आंच पर 5-7 मिनट तक भूनें। भूनने से लौकी का कच्चापन निकल जाता है और हलवे में सोंधी खुशबू आती है।

अब कड़ाही में दूध डालें और इसे धीमी आंच पर पकने दें। बीच-बीच में चलाते रहें ताकि लौकी नीचे न चिपके। इसे तब तक पकाएं जब तक कि दूध पूरी तरह सूख न जाए और लौकी नरम न हो जाए।

जब दूध सूख जाए, तब इसमें चीनी डालें। चीनी डालने के बाद हलवा फिर से थोड़ा पतला होगा। इसे लगातार चलाते हुए पकाएं। जब मिश्रण फिर से गाढ़ा होने लगे, तब इसमें मैश किया हुआ मावा मिला दें। मावा डालने से हलवे को दानेदार बनावट मिलती है।

सबसे आखिर में, इलायची पाउडर और आधे कटे हुए मेवे डालकर अच्छी तरह मिलाएं। जब हलवा कड़ाही के किनारे छोड़ने लगे और घी अलग होने लगे, तो समझ लीजिए कि लौकी का हलवा तैयार है। बचे हुए ड्राई फ्रूट्स से लौकी का हलवा गार्निश करें।

होलाष्टक शुरू, 8 दिन अशुभ तो फिर क्यों हो रही शादियां?

होलाष्टक का प्रारंभ 24 फरवरी से हुआ है और यह 3 मार्च तक रहेगा. फाल्गुन माह के शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि से लेकर पूर्णिमा तक होलाष्टक का समय होता है. यह एक अशुभ समय है, जिसमें कोई भी शुभ काम नहीं करते हैं. पूरे देश में होलाष्टक के समय में मांगलिक कार्य न करने की बात कही जाती है. लेकिन आप देखेंगे कि होलाष्टक के समय में कई जगहों पर शादियां हो रही हैं. ऐसा क्यों? जब होलाष्टक अशुभ है तो फिर विवाह कैसे होगा? क्या होलाष्टक में शुभ काम कर सकते हैं?

होलाष्टक अशुभ क्यों है?

सामान्य तौर पर होली से पहले के 8 दिनों को होलाष्टक माना जाता है. धार्मिक मान्यता है कि इस समय में भक्त प्रह्लाद को कई प्रकार की यातनाएं दी गई थीं, इस वजह से यह अशुभ होता है.

दूसरी मान्यता है कि होलाष्टक में चंद्रमा, सूर्य, शनि, शुक्र, बृहस्पति, बुध, मंगल और राहु ये 8 ग्रह उग्र रहेंगे. इस वजह से होलाष्टक में कोई शुभ काम नहीं करते हैं. उसका अशुभ प्रभाव होता है.

पूरे देश में लगता है होलाष्टक?

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय जम्मू के ज्योतिषाचार्य डॉ. मृत्युञ्जय तिवारी बताते हैं कि होलाष्टक को लेकर लोगों में भ्रम है. लोग समझते हैं कि पूरे देश में होलाष्टक लगता है. ऐसा नहीं है. अपने देश में सभी जगहों पर होलाष्टक का दोष नहीं लगता है. समस्या यह है कि लोग शास्त्रों को जाने बगैर ही बता देते हैं कि होलाष्टक है, इसमें शुभ काम न करें. जबकि शास्त्रों में होलाष्टक के लिए स्पष्ट स्थान बताए गए हैं.

कहां-कहां लगता है होलाष्टक?

ज्योतिषाचार्य डॉ. तिवारी कहते हैं कि मुहूर्त गणपति और मुहूर्त चिंतामणि में बताया गया है कि होलाष्टक के दोष के बारे में स्पष्ट बताया गया है. मुहूर्त चिंतामणि के अनुसार होलाष्टक का दोष होलिका से पहले के 8 दिनों में विपाशा नदी यानि ब्यास, शुतुद्री नदी यानि सतुलज, त्रिपुष्कर नदी यानि राजस्थान का पुष्कर क्षेत्र और इरावती नदी यानि रावी नदी के तटीय क्षेत्रों में होलाष्टक का दोष माना जाता है. इन नदियों के तटीय क्षेत्रों में होलाष्टक के समय विवाह, मुंडन, गृह प्रवेश, सगाई आदि जैसे मांगलिक कार्य नहीं करना चाहिए.

मुहूर्त गणपति के अनुसार भी विपाशा, इरावती, शुतुद्री नदी के किनारे बसे शहरों और गावों में होलाष्टक का दोष फाल्गुन पूर्णिमा से पहले के 8 दिनों में लगता है.

होलाष्टक में हो रहे विवाह

मुहूर्त गणपति और मुहूर्त चिंतामणि के अनुसार, होलाष्टक का दोष पंजाब, हिमाचल प्रदेश और राजस्थान के पुष्कर क्षेत्र में ही मान्य होता है. पूरे देश में होलाष्टक का दोष नहीं लगता है. इस वजह से देश के अन्य हिस्सों में होलाष्टक में विवाह, सगाई, मुंडन, गृह प्रवेश आदि जैसे मांगलिक कार्य हो रहे हैं.

आज का राशिफल

मेष : रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। कार्य की प्रशंसा होगी। प्रसन्नता तथा संतुष्टि रहेगी। यात्रा मनोरंजक हो सकती है। व्यापार-व्यवसाय में नए प्रयोग किए जा सकते हैं। समय की अनुकूलता का लाभ लें। धन प्राप्ति सुगम होगी। नौकरी में अनुकूलता रहेगी। कार्यभार में वृद्धि हो सकती है।

वृषभ : विवाद को बढ़ावा न दें। बेवजह कहासुनी हो सकती है। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। थकान व कमजोरी रह सकते हैं। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। धनहानि की आशंका है। व्यापार-व्यवसाय में धीमापन रह सकता है। आय में निश्चितता रहेगी। समय शीघ्र सुधरेगा।

मिथुन : मित्रों का सहयोग करने का अवसर प्राप्त हो सकता है। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल चलेगा। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड से लाभ होगा। यात्रा सफल रहेगी। शत्रु सक्रिय रहेंगे। चिंता तथा तनाव रहेंगे। किसी दूसरे व्यक्ति के काम में हस्तक्षेप न करें। विवाद होगा।

कर्क : आत्मसम्मान बना रहेगा। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। भूले-बिसरे साथियों व संबंधियों से मुलाकात होगी। कारोबार में अनुकूलता रहेगी। स्वास्थ्य कमजोर रह सकता है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। बुद्धि का प्रयोग लाभ में वृद्धि करेगा। प्रसन्नता बनी रहेगी। प्रमाद न करें।

सिंह : बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति हो सकती है। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। यात्रा लाभदायक रहेगी। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड मनोनुकूल लाभ देगा। प्रसन्नता का वातावरण रहेगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें।

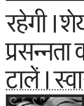
कन्या : स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें। फालतू खर्च होगा। कर्ज लेना पड़ सकता है। आय में कमी होगी। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। बेकार बातों पर बिलकुल ध्यान न दें।

तुला : यात्रा मनोनुकूल रहेगी। नया काम मिलेगा। नए अनुबंध होंगे। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है। कारोबार में वृद्धि होगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। समय की अनुकूलता रहेगी, लाभ लें। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। आय में वृद्धि होगी। जल्दबाजी न करें।

वृश्चिक : कार्यस्थल पर सुधार व परिवर्तन हो सकता है। योजना फलीभूत होगी। तत्काल लाभ नहीं होगा। निवेश में जल्दबाजी न करें। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। रुके कार्यों में गति आएगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। प्रमाद न करें।

धनु : अध्यात्म में रुझान रहेगा। सत्संग का लाभ प्राप्त होगा। राजकीय बाधा दूर होकर स्थिति लाभदायक बनेगी। कारोबार में वृद्धि होगी। आसपास का वातावरण सुखद रहेगा। पार्टनरों तथा भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा। विवाद को बढ़ावा न दें। विवेक का प्रयोग करें। प्रमाद न करें।

मकर : स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। चोट व दुर्घटना से बड़ी हानि की आशंका बनती है, सावधानी आवश्यक है। लेन-देन में जल्दबाजी से बचें। आय बनी रहेगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। व्यापार-व्यवसाय की गति धीमी रहेगी।

कुंभ : कोर्ट व कचहरी के कार्य अनुकूल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। कारोबार लाभदायक रहेगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। घर-बाहर प्रसन्नता का वातावरण रहेगा। लेन-देन में सावधानी रखें। धनहानि भी आशंका है।

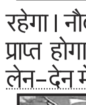
मीन : भूमि-भवन व मकान-दुकान इत्यादि की खरीद-फरोख्त मनोनुकूल लाभ देगी। बेरोजगारी दूर होगी। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। भाग्य का साथ मिलेगा। चारों तरफ से सफलता मिलेगी। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। उत्साह बना रहेगा। चिंता तथा तनाव कम होंगे।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

फलों को साफ़ करने का सही तरीका

1. नमक के पानी में भिगोना

नमक एक नैचुरल डिसइंफेक्टेंट है जो पेस्टिसाइड के बचे हुए हिस्से को हटाने में बहुत असरदार है. एक बड़े कटोरे में पानी भरें और उसमें 2 चम्मच नमक डालें. फलों को इस घोल में 15-20 मिनट के लिए भिगो दें. फिर, इसे साफ, ठंडे पानी से फिर से धो लें. यह तरीका अंगूर, बेरी और अमरूद जैसे फलों के लिए सबसे अच्छा है.

2. सिरका और सोडा

साइंटिफिक रिसर्च से पता चलता है कि सोडा पेस्टिसाइड को घोलने में सबसे असरदार है. एक लीटर पानी में एक बड़ा चम्मच सफेद सिरका और एक छोटा चम्मच सोडा मिलाएं. फलों को 10 मिनट के लिए भिगो दें. यह तरीका सेब और बर्तनों जैसे फलों पर लगी मोम जैसी परत को हटाने में मदद करता है.

3. गर्म पानी और ब्रश का इस्तेमाल करना

कुछ फलों (जैसे सेब या संतरे) पर आर्टिफिशियल चमक के लिए मोम लगाया जाता है. इन फलों को कुछ सेकंड के लिए गुनगुने पानी में भिगोएं और फिर उन्हें एक मुलायम किचन ब्रश से धीरे से रगड़ें. इससे सतह पर जमा हुई कोई भी गंदगी और केमिकल आसानी से हट जाते हैं.

4. फल साफ करने के खास टिप्स

पहले अपने हाथ गंदे कर लें: फल को छूने से पहले पक्का कर लें कि आपके हाथ साफ हैं ताकि जर्म्स न लगें. फल को काटने के बाद कभी भी साफ न करें, क्योंकि इससे ज़रूरी विटामिन धुल जाएंगे. हमेशा हेल्दी, बिना खराब हुए फल चुनें.

खुशबूदार 5 इनडोर प्लांट

घर के अंदर छोटे और खूबसूरत पौधे रखना आजकल ट्रेंड ही नहीं, बल्कि जरूरत भी बन गया है. ये पौधे न सिर्फ कमरे की सुंदरता बढ़ाते हैं, बल्कि हल्की खुशबू और पॉजिटिव एनर्जी भी देते हैं. नर्सरी संचालक शैलेंद्र बताते हैं कि, छोटे इनडोर प्लांट्स गेस्ट को आकर्षित करते हैं और घर में शांति का माहौल बनाते हैं. आइए जानते हैं ऐसे 5 खास पौधों के बारे में, जिन्हें आप आसानी से अपने रूम में लगा सकते हैं.

क्यों हैं ये पौधे खास

इन छोटे इनडोर पौधों को लगाना बेहद आसान है. कम देखभाल में ये लंबे समय तक हरे-भरे रहते हैं. खूबसूरती, खुशबू और शांति, तीनों का बेहतरीन संगम हैं ये पौधे. अगर आप भी अपने कमरे को आकर्षक और सुकूनभरा बनाना चाहते हैं, तो इन पौधों में से किसी एक को जरूर अपनाइए.

पीस लिली शांति और खुशबू का प्रतीक

पीस लिली एक बेहद आकर्षक और छोटा पौधा है, जिसके सफेद फूल कमरे को बेहद खूबसूरत बना देते हैं. यह पौधा हल्की सुगंध देता है और घर की हवा को शुद्ध करने के लिए भी जाना जाता है. इसे ज्यादा धूप की जरूरत नहीं होती, इसलिए इसे कमरे के कोने या टेबल पर आसानी से रखा जा सकता है. हफ्ते में दो बार हल्का पानी देना काफी होता है.

जेड प्लांट पॉजिटिव एनर्जी का पौधा

जेड प्लांट छोटा, मोटी पत्तियों वाला और बेहद सुंदर दिखने वाला पौधा है. इसे लोग सुख-समृद्धि का प्रतीक मानते हैं. इसकी देखभाल बहुत आसान है और कम पानी में भी यह आसानी से बढ़ता है. कमरे की खिड़की के पास रखने से इसकी ग्रोथ अच्छी होती है और यह सजावट में चार चांद लगा देता है.

एंथूरियम रंग और रॉयल लुक

एंथूरियम अपने चमकदार लाल और गुलाबी फूलों के लिए मशहूर है. यह पौधा कमरे को रॉयल लुक देता है. इसे हल्की धूप और नियमित पानी की जरूरत होती है. खास बात यह है कि इसके फूल लंबे समय तक ताजगी बनाए रखते हैं.

लैवेंडर, खुशबू से भर देगा कमरा

लैवेंडर की हल्की और सुकून देने वाली खुशबू तनाव कम करने में मदद करती है. छोटे गमले में इसे खिड़की के पास रखा जा सकता है. यह पौधा कमरे में फ्रेशनेस बनाए रखता है और नींद भी बेहतर करने में सहायक माना जाता है.

एरिक प्लाम, हरियाली का एहसास

अगर आप कमरे में हरियाली का एहसास चाहते हैं तो अरेका पाम बेहतरीन विकल्प है. यह छोटा और आकर्षक पौधा हवा को शुद्ध करता है और कमरे को फ्रेश लुक देता है. इसकी देखभाल भी आसान है, बस नियमित पानी और हल्की रोशनी की जरूरत होती है.

उपरोक्त लेखों में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

हाईकोर्ट के अधिवक्ता की हत्या में सगा भाई अरुण मिश्रा भी गिरफ्तार

गोंडा. यूपी के गोंडा में करनैलगंज पुलिस ने हाईकोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता सुभाष मिश्रा की हत्या में आरोपी उनके सगे भाई अरूण मिश्रा को भी गिरफ्तार कर लिया है। हत्यारोपी के खिलाफ विविध कार्यवाही की गई है। एसपी विनीत जायसवाल ने बताया कि बीते 22 फरवरी को करनैलगंज थाना क्षेत्र के सुदईपुरवा दत्तनगर में दो पक्षों में भूमि विवाद को लेकर विवाद व मारपीट हो गयी है। दोनों पक्ष आपस में सगे भाई पट्टीदार हैं। मारपीट में घायल अधिवक्ता सुभाष चंद्र मिश्रा की ईलाज के दौरान मृत्यु हो गई। इस सम्बन्ध में थाना करनैलगंज में मृतक के सगे भाई अरूण मिश्रा समेत चार नामजद व अज्ञात अभियुक्तों के विरूद्ध विभिन्न धाराओं में केस दर्ज किया गया था।

अग्निकांड: एक साथ उठी 4 अर्थियां तो छलक आए हजारों आंसू, जनाजे में उमड़ा जनसैलाब

मेरठ. मेरठ जिले के लिसाड़ी गेट थाना क्षेत्र के किदवई नगर में हुए भीषण अग्निकांड ने पूरे शहर को झकझोर कर रख दिया है। मंगलवार को जब बाले मियां कब्रिस्तान में एक साथ चार जनाजे पहुंचे, तो वहां मौजूद हर शख्स की आंखें नम हो गईं। इस हादसे में जान गंवाने वाले पांच मासूम बच्चों और एक महिला की मौत ने इलाके में सन्नाटा पसरा है। हादसे की खबर फैलते ही किदवई नगर और आसपास के इलाकों में शोक की लहर दौड़ गई। मंगलवार दोपहर जब शवों को अंतिम विदाई देने के लिए बाले मियां कब्रिस्तान ले जाया गया, तो वहां लोगों का भारी जनसैलाब उमड़ पड़ा। हर कोई इस गमगीन परिवार को सांत्वना देने और मिट्टी देने के लिए व्याकुल नजर आया। जनाजे की नमाज के बाद नम आंखों से शवों को सुपुर्द-ए-खाक किया गया।

ट्यूबवेल की कोठरी में चौकीदार की बेरहमी से हत्या, कमरे में मिला खून से लथपथ शव

बदायूं. यूपी के बदायूं में ट्यूबवेल की कोठरी में चौकीदार की नृशंस हत्या की गई। बिल्सी में कछला शाहबाद हाइवे किनारे एक खेत में बनी कोठरी में रक्तरंजित शव मिलने से हड़कंप मच गया। मृतक सुरेंद्र सिंह खेत मालिक नरेश चंद माहेश्वरी के यहां पर 20-25 साल से चौकीदारी कर रहे थे। खेत मालिक गाय का दूध लेने के लिए खेत में बनी कोठरी पर पहुंचे तो दरवाजा बंद मिला। उन्हें अंदर खून से सना हुआ शव मिला। खेत मालिक की सूचना पर पहुंची बिल्सी पुलिस, सीओ के साथ फारेंसिक टीम ने जांच शुरू कर दी।

दवा से बेसुध हो जाती थी महिला, फिर नौकर करता था रेप; एक दिन ऐसे खुल गई पोल

लखीमपुर खीरी. उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी के पलिया से एक हैरान कर देने वाली खबर आई है। यहां एक महिला से उसका घरेलू नौकर बार-बार रेप करता रहा। महिला, डिप्रेशन की शिकार थी। वह जब भी दवा खानी बेसुध हो जाती थी। दवा के असर से मालकिन के बेसुध हो जाने के बाद वह उसके साथ रेप करता था। एक दिन महिला ने कम असर की दवा खाई तो नौकर की करतूत सामने आ गई। नौकर की हकीकत सामने आने के बाद महिला और उसके पति के होश उड़ गए।

सोमवार को पति-पत्नी ने कोतवाली पहुंचकर घटना की शिकायत की और युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस ने मामला दर्ज करने के बाद युवक को गिरफ्तार कर लिया। सोमवार को पति के साथ कोतवाली पहुंची महिला ने तहरीर के माध्यम से बताया कि उसके पति दुकान चलाते हैं। उनकी दुकान पर काम करने वाला नौकर अक्सर घर पर भी दुकान के अलावा अन्य काम में मदद करने आता था। महिला के अनुसार वह डिप्रेशन की दवा खाती है, जिससे हल्का सा नशा होता है। उसी का फायदा उठाते हुए नौकर ने उसके साथ रेप किया।

अमेरिका का दावा-चीन ने छिपकर न्यूक्लियर टेस्ट किया

- 6 साल में 400 परमाणु हथियार बनाए
- 2030 तक 1000 से ज्यादा होंगे

अमेरिका और चीन के बीच परमाणु हथियारों को लेकर तनाव फिर से बढ़ गया है। अमेरिकी अधिकारियों ने आरोप लगाया है कि चीन ने छह साल पहले 2020 में एक सीक्रेट न्यूक्लियर टेस्ट किया था।

अमेरिकी विदेश विभाग के सहायक सचिव क्रिस्टोफर येव ने सोमवार को कहा कि 22 जून 2020 को चीन के पश्चिमी इलाके में स्थित लोप नूर में अंडरग्राउंड न्यूक्लियर टेस्ट सेंटर पर एक विस्फोट हुआ था।

यह विस्फोट 2.75 तीव्रता का था, जिसकी जानकारी पड़ोसी देश कजाकिस्तान के स्टेशन से मिली। येव ने इसे एक परमाणु विस्फोट बताया। उन्होंने कहा कि भूंकप माइनिंग विस्फोट से अलग थे। यह एक सिंगल फायर एक्सप्लोजन की तरह था, जो परमाणु परीक्षण की निशानी है। येव ने कहा कि चीन ने जानबूझकर अपनी परमाणु ताकत बढ़ाई है। उन्होने बताया कि 2020 से अब तक चीन के परमाणु हथियार 200 से बढ़कर 600 से ज्यादा हो गए हैं। अनुमान है कि 2030 तक यह संख्या 1,000 से ऊपर पहुंच जाएगी।

- **अमेरिका का दावा- चीन अपने परमाणु जखीरे का विस्तार कर रहा**

यह दावा ऐसे समय में आया है जब इस महीने अमेरिका और रूस के बीच का आखिरी बड़ा परमाणु समझौता न्यू स्टार्ट संधि खत्म हो गया है। इस संधि के खत्म होने के साथ ही दुनिया की दो सबसे बड़ी परमाणु शक्तियों के हथियारों पर लगी सीमाएं हट गई हैं, जिससे नए न्यूक्लियर हथियारों की दौड़ की आशंका बढ़ गई है।

अमेरिका अब चीन और रूस से पारदर्शिता और खतरनाक हथियारों को सीमित करने की मांग कर रहा है, जबकि चीन इन आरोपों को बेबुनियाद बता रहा है।

येव ने जिनेवा में संयुक्त राष्ट्र समर्थित निरस्त्रीकरण (हथियारों का त्याग) कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि न्यू स्टार्ट समझौते की सबसे बड़ी कमी यह थी कि इसमें चीन के तेजी से बढ़ते और गोपनीय परमाणु कार्यक्रम को शामिल नहीं किया गया।

- **अमेरिका, रूस और चीन के बीच तीन तरफा समझौता चाहते हैं ट्रम्प**

पिछले कुछ सालों में परमाणु हथियारों को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई विवाद हुए हैं। 2010 में अमेरिका और रूस ने न्यू स्टार्ट संधि पर हस्ताक्षर किए थे, जो दोनों देशों के रणनीतिक परमाणु हथियारों की संख्या को सीमित करती थी।

इस संधि के तहत दोनों देशों को अपने परमाणु वारहेड्स को 1,550 तक सीमित रखना था और मिसाइलों और बॉम्बर्स की संख्या पर भी पाबंदी थी। इस संधि में रूस के गैर-रणनीतिक परमाणु हथियारों, जैसे छोटी दूरी के हथियारों को शामिल नहीं किया गया था। ट्रम्प ने अपने पहले कार्यकाल में अमेरिका, रूस और चीन के बीच तीन तरफा परमाणु समझौते की कोशिश की थी, लेकिन यह असफल रही।

ट्रम्प ने 2020 में अमेरिका के परमाणु परीक्षण फिर से शुरू करने की बात भी कही थी, हालांकि बाद में स्पष्ट किया गया कि इसमें विस्फोटक परीक्षण नहीं होंगे। 1992 के बाद अमेरिका ने कोई परमाणु परीक्षण नहीं किया है।

रूस के पास सबसे ज्यादा परमाणु हथियार

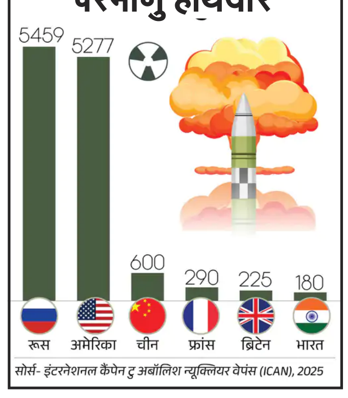

सोर्स- इंटरनेशनल कैंपेन टु अबॉलिश न्यूक्लियर वेपंस (ICAN), 2025

पिता को मारकर शव के टुकड़े नीले ड्रम में छिपाए

- वजह- पापा डॉक्टर बनाना चाहते थे
- बेटे को लखनऊ में होटल खोलना था

लखनऊ. लखनऊ में वर्धमान पैथोलॉजी लैब के मालिक मानवेंद्र सिंह की उनके 21 साल के इकलौते बेटे अक्षत ने गोली मारकर हत्या कर दी। हत्या के बाद शव को आरी से काटकर टुकड़े नीले ड्रम में भर दिए।

सिर को काटकर कार में रखा और घरसे 21 किलोमीटर दूर फेंक आया। अक्षत ने अपनी बहन के सामने घटना को अंजाम दिया। उसे धमकी दी कि किसी को बताया तो उसे भी मार डालेगा।

पिता का सिर फेंकने के बाद आरोपी घर लौटा और कार की सफाई की। तीन दिन बाद सोमवार को वह थाने पहुंचा और गुमशुदगी दर्ज कराई। पुलिस ने जब पूछताछ शुरू की तो बेटा घबराया नजर आया। शक होने पर सख्ती से पूछताछ की गई, तब उसने जुर्म कबूल कर लिया। पुलिस उसे लेकर मौके पर पहुंची और शव के टुकड़े बरामद किए, लेकिन सिर नहीं मिला।

आरोपी ने पुलिस को बताया कि उसके पिता चाहते थे कि वह NEET क्वालीफाई करके MBBS करे। वह इस बात पर अड़ा था कि MBBS के लिए उस पर जबरदस्ती न की जाए। वह पिता से कहता था कि पैथोलॉजी लैब की जगह लॉन या रेस्टोरेंट खोला जाए, जो ज्यादा अच्छा बिजनेस रहेगा। इसी बात को लेकर 20 फरवरी को पिता से बहस हुई। गुस्से में उसने पिता की लाइसेंसी राइफल से गोली मार दी।

वारदात के 3 दिन बाद थाने पहुंचा...

पुलिस के मुताबिक, वारदात के तीन दिन बाद सोमवार को आरोपी बेटा आशियाना थाना पहुंचा और गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। उसने पुलिस को बताया कि उसके पिता 20 फरवरी की सुबह 6 बजे दिल्ली जाने की बात कहकर निकले थे और 21 फरवरी की दोपहर तक लौटने की बात कही थी, लेकिन अब तक वापस नहीं आए हैं।
उनके तीनों मोबाइल नंबर लगातार बंद आ रहे हैं। पुलिस ने जब मानवेंद्र को ढूंढना शुरू किया और बेटे से पूछताछ की तो उसके हावभाव संदिग्ध लगे। सख्ती से पूछने पर पहले उसने बताया कि पिता ने आत्महत्या कर ली है। और कड़ाई की गई तो उसने हत्या करने की बात कबूल कर ली।

समुद्र में हेलिकॉप्टर की क्रैश लैंडिंग

पवन हंस कंपनी के हेलिकॉप्टर में सवार सभी 7 लोग सुरक्षित

अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में मंगलवार सुबह 9.30 बजे एक हेलिकॉप्टर क्रैश हो गया। घटना के समय उसमें 5 यात्री और 2 पायलट सवार थे। इनमें 3 महिला, 3 पुरुष और एक बच्चा मौजूद थे। अधिकारियों ने बताया कि पवन हंस कंपनी के हेलिकॉप्टर ने सुबह 8.30 बजे पोर्ट ब्लेयर से अंडमान के मायाबंदर के लिए उड़ान भरी थी। हेलिकॉप्टर के मायाबंदर पहुंचने के पहले ही उसमें खराबी आ गई। इसके बाद रनवे से 300 मीटर पहले ही समुद्र में हेलिकॉप्टर की क्रैश लैंडिंग कराई गई।

नागरिक उड्डयन निदेशक नितेश रावत ने बताया कि घटना में दोनों पायलट और 5 यात्री घायल हुए हैं। सभी को मायाबंदर के डॉ. राजेंद्र प्रसाद अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

झारखंड में एयर एंबुलेंस क्रैश, 7 लोगों की मौत

- रांची से दिल्ली जा रहा था विमान
- टेकऑफ के 20 मिनट बाद संपर्क टूटा

रांची. झारखंड से दिल्ली जा रहा एक चार्टेड प्लेन चतरा में क्रैश हो गया। प्लेन में सवार सभी 7 लोगों की मौत हो गई। रेडबर्ड कंपनी का बीचक्राफ्ट किंग एयर B90L एक एयर एंबुलेंस था।

फ्लाइट ने सोमवार शाम 7:11 बजे रांची से उड़ान भरी, 7:34 पर एयरक्राफ्ट का कम्युनिकेशन टूट गया। थोड़ी देर बाद प्लेन झारखंड के चतरा जिले के समरिया के जंगलों में क्रैश हो गया।

प्लेन में कैप्टन विवेक विकास भगत (पायलट), कैप्टन सबराजदीप सिंह (को-पायलट), संजय कुमार (मरीज), अर्चना देवी (परिजन), धूरू कुमार (परिजन), विकास कुमार गुप्ता (डॉक्टर), सचिन कुमार मिश्रा (पैरामेडिकल स्टाफ) सवार थे।

मरीज को दिल्ली लेकर जा रहा था विमान

- रांची के देवकमल हॉस्पिटल के CEO, अनंत सिन्हा ने PTI को बताया कि एयर एम्बुलेंस का इंतजाम एक मरीज ने किया था। उन्होंने कहा, रलातेहार जिले के चंदवा के रहने वाले मरीज संजय कुमार (41) को 16 फरवरी को 65 परसेंट जलने की हालत में हॉस्पिटल लाया गया था। हॉस्पिटल में उनका इलाज चल रहा था।
- सिन्हा ने आगे कहा कि परिवार वालों ने उन्हें बेहतर इलाज के लिए दिल्ली ले जाने का फैसला किया। मरीज को लगभग 4.30 बजे हॉस्पिटल से दिल्ली के लिए ले जाया गया। शाम को विमान हादसे में मरीज के साथ जा रहे सभी लोगों की मौत हो गई।

भागवत बोले- आरक्षण 200 साल भी देना पड़े तो सही

- उन्होंने दो हजार सालों तक भेदभाव सहा, फिर भी देश के साथ गद्दारी नहीं की

देहरादून. राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने कहा कि हिंदू समाज के एक हिस्से ने करीब दो हजार साल तक छुआछूत और भेदभाव सहा, लेकिन फिर भी उसने देश के साथ कभी विश्वासघात नहीं किया। उन्होंने कहा, ऐसे लोगों को बराबरी का हक दिलाने के लिए अगर दो सौ साल तक भी आरक्षण देना पड़े, तो समाज को इसके लिए तैयार रहना चाहिए। अगर अपने ही भाइयों को आगे बढ़ाने के लिए हमें कुछ नुकसान भी सहना पड़े, तो भी हमें पीछे नहीं हटना चाहिए।

RSS प्रमुख सोमवार को उत्तराखंड के देहरादून में हिमालयन कल्चरल सेंटर में आयोजित 'प्रमुखजन गोष्ठी' में पूर्व सैनिकों और अधिकारियों के साथ संवाद कर रहे थे।

इस दौरान भागवत ने कहा कि भारत में रहने वाले सभी लोगों के पूर्वज एक हैं और उनकी रगों में एक ही खून बहता है। हिंदू बनने के लिए कुछ छोड़ना नहीं पड़ता, देश के प्रति निष्ठा ही पर्याप्त है और आज जिनका विरोध है, उन्हें भी कल जोड़ना है।

हल्द्वानी लैंड केस में SC का बेदखली पर रोक से इनकार

हल्द्वानी. सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को हल्द्वानी के बनभूलपुरा में रेलवे की जमीन पर अतिक्रमण से जुड़े मामले में बड़ा फैसला सुनाया है। सर्वोच्च अदालत ने कथित रेलवे की जमीन से बेदखली पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हल्द्वानी में रेलवे के विस्तार की वजह से बेदखली का सामना कर रहे लोगों को उसी जगह पर पुनर्वास का कोई अधिकार नहीं है। चूंकि हजारों परिवारों के बेघर होने की संभावना है इसलिए अधिकारियों को पीएम आवास योजना के तहत उनकी योग्यता का परीक्षण करते हुए उनके पुनर्वास में मदद करनी चाहिए।

केरल का नाम 'केरलम' करने को मंजूरी

- सेवातीर्थ में पहली बैठक, PMO 10 दिन पहले ही यहां शिफ्ट हुआ

नई दिल्ली. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नए ऑफिस सेवा तीर्थ में मंगलवार को केंद्रीय मंत्रिमंडल की पहली बैठक हुई। इसमें कुल 12,236 करोड़ के प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी गई है। इसमें तीन रेल प्रोजेक्ट, अहमदाबाद मेट्रो के एक्सटेंशन और श्रीनगर एयरपोर्ट पर नए टर्मिनल समेत कुल 8 फैसले लिए गए हैं।

इसके अलावा केरल सरकार के राज्य का नाम बदलकर केरलम करने के प्रस्ताव को भी मंजूरी मिल गई है। केरल में अप्रैल-मई में विधानसभा चुनाव हो सकते हैं। अब राष्ट्रपति 'केरल (नाम में बदलाव) बिल, 2026' को संविधान के अनुच्छेद 3 के तहत केरल विधानसभा की राय के लिए भेजेंगे। विधानसभा की राय मिलने के बाद, सरकार संसद में बिल पेश करेगी। संसद से पास होने पर राज्य का नाम आधिकारिक रूप से केरलम हो जाएगा। केरल विधानसभा से 24 जून 2024 को प्रस्ताव पास हुआ था। कैबिनेट की पिछली बैठक 13 फरवरी को PMO के साउथ ब्लॉक वाले ऑफिस में हुई थी। इसके बाद PMO को नए ऑफिस में शिफ्ट कर दिया गया था। प्रधानमंत्री का ऑफिस 1947 से साउथ ब्लॉक में रहा। ये इमारत करीब 78 सालों से देश की सत्ता का केंद्र रही है।

सेवा तीर्थ कॉम्पलेक्स में कुल 3 इमारतें

सेवा तीर्थ कॉम्पलेक्स में कुल 3 इमारतें हैं- सेवा तीर्थ-1, सेवा तीर्थ-2 और सेवा तीर्थ-3। सेवा तीर्थ-1 में PMO है। सेवा तीर्थ-2 में कैबिनेट सचिवालय और सेवा तीर्थ-3 में NSCS और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल का ऑफिस है। ये सभी ऑफिस पहले अलग-अलग जगहों पर थे।

भारत सेमीफाइनल में अब कैसे पहुंचेगा....?

- रन रेट सुधारने के लिए बड़े अंतर से जीत जरूरी
- एक और हार टूर्नामेंट से बाहर कर देगी

वेस्टइंडीज ने सोमवार को टी-20 वर्ल्ड कप में सुपर-8 के अपने पहले मुकाबले में जिम्बाब्वे को 107 रन से हरा दिया। इस जीत ने भारत की परेशानी बढ़ा दी है। भारतीय टीम साउथ अफ्रीका के खिलाफ अपने पहले मैच में 76 रन से हार गई थी। ग्रुप की टॉप-2 टीम को ही सेमीफाइनल में जगह मिलेगी। समझिए, भारत को सेमीफाइनल में एंट्री कैसे मिलेगी...

1. भारत दोनों मैच जीतता है...

- अगर भारत वेस्टइंडीज और जिम्बाब्वे दोनों को हरा देता है, तो उसके चार पॉइंट्स हो जाएंगे। अगर साउथ अफ्रीका अपने बाकी बचे दोनों मैच जीत जाता है, तो इंडिया और साउथ अफ्रीका दोनों सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई कर लेंगे।
- अगर इंडिया दोनों मैच जीत जाता है और साउथ अफ्रीका अपना एक मैच हार जाता है, तो तीन टीमें चार पॉइंट्स पर बराबर हो सकती हैं। उस मामले में क्वालिफिकेशन नेट रन रेट से तय होगा।
- अगर इंडिया अपने दोनों मैच जीत जाती है और साउथ अफ्रीका अपने दोनों मुकाबले हार जाता है, तो इंडिया और वेस्टइंडीज सेमीफीइनल के लिए क्वालिफाई कर जाएंगे।

2. अगर भारत सिर्फ एक मैच जीतता है...

- केवल एक जीत से भारत के पास सेमीफाइनल में पहुंचने के चांस ना के बराबर हो जाएंगे, चाहे बाकी परिस्थितियां कैसी भी हों।

वेस्टइंडीज को हराना आसान नहीं

भारतीय टीम को इस टी-20 वर्ल्ड कप में अपना अगला मुकाबला 26 फरवरी को जिम्बाब्वे के खिलाफ खेलना है। अंतिम मैच में 1 मार्च को टीम वेस्टइंडीज का सामना करेगी। वेस्टइंडीज के गेंदबाज और बल्लेबाज दोनों ही शानदार फॉर्म में चल रहे हैं। टीम अभी तक खेले अपने सभी 5 मैच जीती है।

साउथ अफ्रीका ने भारत को हराकर मजबूत शुरुआत कर ली है। अब उसे वेस्टइंडीज और जिम्बाब्वे के खिलाफ खेलना है। टीम बाकी बचे दोनों मैच जीत लेती है तो सेमीफाइनल में उसकी स्थिति लगभग पक्की हो जाएगी।

टॉप नक्सली लीडर देवूजी ने डाले हथियार

- छत्तीसगढ़ के माड में था ऐक्टिव

रायपुर. टॉप नक्सली लीडर देवूजी ने तेलंगाना पुलिस के सामने सरेंडर कर दिया है। उसके साथ तीन अन्य नक्सलियों ने भी आत्मसमर्पण किया है। देवूजी 1983 से अंडरग्राउंड था। वह वर्तमान में सेंट्रल मिलिट्री कमीशन के प्रभारी के रूप में छत्तीसगढ़ से सक्रिय था। देवूजी ने दशकों तक संगठन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। देवूजी का यह सरेंडर नक्सलवाद के लिए एक बड़ा झटका माना जा रहा है। सनद रहे सरकार ने नक्सलवाद के खात्मे के लिए 31 मार्च तक की डेडलाइन तय की है।

- **कुल 4 नक्सलियों ने डाले हथियार**

टॉप नक्सली कमांडर देवूजी का पूरा नाम थिप्पिरी तिरुपति है। वह सीपीआई (माओवादी) का खास रणनीतिकार रह चुका है। देवूजी ने मंगलवार को सेंट्रल कमेटी मेंबर मल्ला राजी रेड्डी के साथ तेलंगाना पुलिस डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (DGP) बी शिवधर रेड्डी की मौजूदगी में सरेंडर किया। देवूजी सीपीआई (माओवादी) के एक खास सेंट्रल कमेटी का सदस्य और पोलित ब्यूरो भी रह चुका है।

- **सेंट्रल मिलिट्री कमीशन का इंचार्ज रह चुका है देवूजी**

देवूजी और राजी रेड्डी के साथ दो अन्य उग्रवादियों बड़े चोक्का राव उर्फ जगन और नुने नरसिम्हा रेड्डी उर्फ गंगन्ना ने भी हथियार डाल दिए। सरेंडर से पहले देवूजी नक्सली संगठन के सेंट्रल मिलिट्री कमीशन के इंचार्ज की जिम्मेदारी संभाल रहा था। वह छत्तीसगढ़ के माड से काम करता था। उसने 1982 में जगतियाल जिले के कोरुतला में इंटरमीडिएट की पढ़ाई की। इसी दौरान उसका रुझान रेडिकल स्टूडेंट यूनियन (RSU) की तरफ हुआ।

- **1983 से था अंडरग्राउंड**

देवूजी ने 1983 में सीपीआई एमएल (PWG) ज्वाइन की। इसके बाद से वह अंडरग्राउंड हो गया था। 1983-84 के दौरान उसने गढ़चिरौली दलम में दलम मेंबर के तौर पर काम किया। साल 1985 में उसको नक्सली संगठन ने एरिया कमेटी मेंबर बना दिया। पुलिस की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि देवूजी को 2001 में सेंट्रल कमेटी मेंबर बनाया गया। उसको 2016 में नक्सली संगठन के सेंट्रल मिलिट्री कमीशन का इंचार्ज बनाया गया था।

बेरोजगार पत्नी आलसी नहीं -दिल्ली हाईकोर्ट

- उसके काम को नजरअंदाज करना नाइंसाफी
- गृहिणी का योगदान पति को ठीक से काम करने लायक बनाता है

नई दिल्ली. दिल्ली हाईकोर्ट ने पति-पत्नी के बीच गुजारा भत्ता से जुड़े एक मामले पर कहा कि बेरोजगार पत्नी आलसी नहीं होती। घर संभालना, बच्चों की देखभाल और परिवार की मदद करना भी काम है, भले ही वह बैंक खाते में नजर न आए। ऐसे में गुजारा भत्ता तय करते समय पत्नी के योगदान को नजरअंदाज करना गलत है।

जस्टिस स्वर्णा कांत शर्मा ने 16 फरवरी को दिए इस फैसले में कहा कि घरेलू काम का भी आर्थिक महत्व होता है और इसे नजरअंदाज करना नाइंसाफी है। हाईकोर्ट ने कहा कि एक गृहिणी खाली नहीं बैठती, वह ऐसा काम करती है जिससे कमाने वाला पति सही तरीके से काम कर पाता है।

कोर्ट ने कहा कि भारतीय समाज में अक्सर शादी के बाद महिला से नौकरी छोड़ने की उम्मीद की जाती है, लेकिन बाद में उसी बात को लेकर पति भत्ता देने से बचते हैं। ऐसी दलील को बढ़ावा नहीं दिया जा सकता।

बार-बार क्यों फेल हो रहा इसरो का रॉकेट?

- 'साजिश' की होगी जांच, डोभाल के दौरे के बाद ऐक्शन

नई दिल्ली. भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) के हालिया मिशनों में आई तकनीकी बाधाओं और विफलता की खबरों ने देश के सुरक्षा गलियारों में हलचल तेज कर दी है।

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (NSA) अजीत डोभाल के हालिया इसरो दौरे के बाद अब इस पूरे मामले में एक नया मोड़ आता दिख रहा है। इसकी जांच के लिए एक कमेटी बनाई है। पूर्व प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार के. विजयराघवन और भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) के पूर्व अध्यक्ष एस. सोमनाथ को शामिल करते हुए इस विशेष समिति का गठन किया गया है। यह समिति इसरो के ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान यानी PSLV की लगातार विफलताओं के पीछे के 'प्रणालीगत मुद्दों' और संगठनात्मक समस्याओं की जांच करेगी।

- **हालिया विफलताएं जिनका होगा विश्लेषण**

PSLV-C62 (12 जनवरी, 2026): यह मिशन 16 सैटेलाइट को कक्षा में स्थापित करने में विफल रहा। रॉकेट का तीसरा चरण प्रज्वलित नहीं हो सका, जिसके कारण यह समुद्र में जा गिरा। PSLV-C61 (18 मई, 2025): ठीक इसी तरह की समस्या इस मिशन में भी देखी गई थी। इसमें भी तीसरा चरण काम नहीं कर पाया था, जिसके परिणामस्वरूप सरकार की रणनीतिक जरूरतों के लिए बनाया गया EOS-09 सैटेलाइट नष्ट हो गया था।

द हिंदू की एक रिपोर्ट के अनुसार, आमतौर पर तकनीकी समितियां यह पता लगाती हैं कि कौन सा पुर्जा खराब हुआ, लेकिन यह नई समिति मैन्युफैक्चरिंग, खरीद और रॉकेट के विभिन्न घटकों को असेंबल करने की प्रक्रियाओं की भी गहराई से जांच करेगी। भारत के अंतरिक्ष इकोसिस्टम में अब कई निजी कंपनियां भी शामिल हैं। इसलिए, समिति इस बात की भी समीक्षा करेगी कि क्या जवाबदेही तय करने के लिए कोई उचित प्रक्रिया मौजूद है और इसमें कैसे सुधार किया जा सकता है। समिति के सदस्य अप्रैल से पहले वर्तमान इसरो अध्यक्ष वी. नारायणन को अपनी रिपोर्ट पेश करेंगे। रिपोर्ट के अनुसार, भारत के अंतरिक्ष आयोग के सदस्य और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (NSA) अजीत डोभाल ने 3 फरवरी को विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र का दौरा किया था, जो संभवतः PSLV-C62 मिशन की विफलता से ही जुड़ा था।

संक्षेप...

दो पूर्व हेल्थ अधिकारी के खिलाफ FIR दर्ज

मुंबई. देवनार पुलिस ने बीएमसी के एम-ईस्ट वार्ड के दो पूर्व चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारियों के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज किया है. दोनों की पहचान डॉ संजय फुंदे और डॉ प्रदीप काशले के रूप में हुई है. इनपर सरकारी मानदंडों का उल्लंघन करते हुए जन्म प्रमाण पत्रों के पंजीकरण में कथित अनियमितताओं का आरोप है. पुलिस ने एफआईआर बीएमसी के जन स्वास्थ्य विभाग में सहायक स्वास्थ्य अधिकारी, डॉ मंगेश नारायण कुंभारे द्वारा सरकार की ओर से दर्ज कराई गई है. देवनार पुलिस ने इससे पहले नवंबर 2025 में पांच लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की है. जिन पर बच्चों के फर्जी जन्म प्रमाण पत्र बनाने का आरोप है. पुलिस ने उन आरोपियों के खिलाफ बीएनएस की धारा 318, 336, 340 तथा जन्म पंजीकरण अधिनियम की धारा 33, 34 के तहत मामला दर्ज किया है. पुलिस शिकायत के अनुसार, एम-ईस्ट वार्ड के अंतर्गत जन्म पंजीकरण प्रक्रिया में अनियमितताएं पाई गईं. जहां कथित तौर पर सरकार द्वारा निर्धारित नियमों और प्रावधानों का पालन किए बिना प्रविष्टियां की गईं. एक प्रारंभिक विभागीय जांच से पता चला कि तत्कालीन चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी, डॉ फुंदे और उनके उत्तराधिकारी, डॉ काशले ने कथित तौर पर उचित जांच के बिना कुछ जन्म पंजीकरणों को मंजूरी देने के लिए अपने आधिकारिक पदों और सरकारी अधिकार का दुरुपयोग किया है.

सुनेत्रा पवार की जगह बेटे पार्थ जाएंगे राज्यसभा

मुंबई. महाराष्ट्र की सात राज्यसभा सीटों पर होने वाले चुनाव से पहले राज्य की सियासत में हलचल तेज हो गई है। महायुति की सरकार में शामिल राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (NCP) ने इस संबंध में अपने उम्मीदवार को लेकर बड़ा फैसला किया है। सूत्रों के अनुसार,सोमवार की रात प्रफुल्ल पटेल के आवास पर पार्टी की कोर कमेटी की हुई बैठक में पार्थ पवार को राज्यसभा चुनाव में उम्मीदवार बनाने पर सहमति बनी है। इस अहम बैठक मुंबई में प्रफुल्ल पटेल के अलावा उप मुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार और प्रदेश अध्यक्ष सुनील तटकरे सहित कई वरिष्ठ नेता मौजूद थे। सूत्रों ने बताया कि बैठक में केवल राज्यसभा उम्मीदवार ही नहीं, बल्कि पार्टी की आगामी राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक की तैयारियों पर भी चर्चा हुई। 26 फरवरी को होने वाली इस बैठक में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव पर मुहर लग सकती है, जहां सुनेत्रा पवार का नाम सबसे आगे माना जा रहा है। यह बैठक मुंबई के वर्ली डोम में आयोजित होने की संभावना है।

बीजेपी 4 सांसद भेज सकती है

महाराष्ट्र में इस बार राज्यसभा की 7 सीटें खाली हैं और 286 विधायकों के आधार पर एक उम्मीदवार को जीत के लिए 37 वोटों की जरूरत होगी। आंकड़ों के अनुसार, सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन के पास स्पष्ट बढ़त है। अकेले BJP के पास एक निर्दलीय को मिलाकर कुल (131+1) यानी 132 विधायकों का समर्थन है, जिससे वह 3 से 4 सांसद आसानी से भेज सकती है। वहीं शिवसेना (शिंदे गुट) अपने 58 विधायकों के साथ एक सीट सुरक्षित कर सकती है, जबकि NCP (अजित पवार गुट) भी एक सीट जीतने की स्थिति में है क्योंकि अजित पवार की मौत के बाद उसके पास 40 विधायक हैं।

महाविकास अघाड़ी के पास एक को भेजने की क्षमता

इसके मुकाबले महाविकास अघाड़ी (MVA), जिसमें कांग्रेस, NCP (शरद पवार गुट) और शिवसेना (ठाकरे गुट) शामिल हैं, के पास कुल मिलाकर लगभग 49 विधायकों का समर्थन है। इस संख्या के आधार पर MVA केवल एक सीट ही सुरक्षित कर सकती है। राजनीतिक समीकरणों के हिसाब से महायुति गठबंधन 6 सीटों पर मजबूत स्थिति में नजर आ रहा है, जबकि विपक्षी गठबंधन को सीमित सफलता मिलने की संभावना है। ऐसे में राज्यसभा चुनाव 2026 में सत्ता पक्ष का पलड़ा भारी दिखाई दे रहा है, लेकिन उम्मीदवारों के चयन और अंतिम रणनीति पर सबकी नजरें टिकी हैं।

बीपीएमसी अधिनियम के अनुसार कर एवं दरें निर्धारित करने हेतु

तत्काल महासभा बुलाने की मांग

भाजपा नगरसेवक दीपेश म्हात्रे ने केडीएमसी महापौर को सौंपा ज्ञापन

कल्याण. बीपीएमसी अधिनियम के अनुसार कर एवं दरें निर्धारित करने के लिए तत्काल महासभा बुलाने की मांग भारतीय जनता पार्टी के नगरसेवक दीपेश म्हात्रे ने की है। इस संबंध में उन्होंने क ल्य ाण - ड ोंबिव ल ी महानगरपालिका की महापौर हर्षाली चौधरी से भेंट कर एक निवेदन प्रस्तुत किया है। कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिका के 122 नगरसेवक 16 जनवरी को निर्वाचित हुए हैं और 3 फरवरी को हर्षाली चौधरी की महापौर पद पर नियुक्ति हुई है। तथापि, बीपीएमसी अधिनियम की प्रावधानों के अनुसार महानगरपालिका के कर एवं दरें 20 फरवरी से पूर्व निर्धारित करना अत्यावश्यक है। बावजूद इसके, अब तक इस संबंध में कोई भी महासभा आयोजित नहीं की गई है, जो कि अत्यंत खेदजनक है।

पिछले पाँच वर्षों से महानगरपालिका का कामकाज प्रशासक के माध्यम से चल रहा था। नागरिकों द्वारा लोकतांत्रिक प्रक्रिया से निर्वाचित 122 नगरसेवकों के होते हुए भी यदि ऐसे महत्वपूर्ण विषयों पर महासभा आयोजित नहीं की जाती, तो क्या फिर से प्रशासन का कारभार प्रशासक के हाथों में ही रहेगा ? ऐसा प्रश्न नगरसेवकों के मन में उत्पन्न हो रहा है। महासभा लोकतांत्रिक व्यवस्था की सर्वोच्च निर्णय-प्रक्रिया है और उसी के माध्यम से कर एवं दरें निर्धारित की जानी अपेक्षित हैं। इसमें विलंब होना नागरिकों के हित की दृष्टि से भी उचित नहीं है। दीपेश म्हात्रे ने मांग की है कि, तत्काल महासभा बुलाकर कर एवं दरें निर्धारित करने का विषय प्रस्तुत किया जाए। महानगरपालिका के आगामी बजट के लिए प्रशासन को आवश्यक निर्देश दिए जाएं। निर्वाचित सभी नगरसेवकों को उनके अधिकारों के अनुसार निर्णय-प्रक्रिया में सहभागी किया जाए।

ठाणे में बिल्डर से मांगी 10 करोड़ की रंगदारी

ठाणे. कुछ अज्ञात लोगों ने स्वयं को लॉरेंस बिश्नोई गैंग का सदस्य बताकर ठाणे के एक बिल्डर से 10 करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी। इस मामले में पुलिस ने मामला दर्ज किया है।

नौपाड़ा पुलिस स्टेशन में 60 वर्षीय कारोबारी द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार, 11 फरवरी को जब वह एक धार्मिक कार्यक्रम में भाग लेने के लिए मध्य प्रदेश में थे, तब उन्हें कई वाट्सएप काल आए। बाद में कॉल उठाने पर उन्हें 10 करोड़ रुपये की रंगदारी देने के लिए कहा गया। ऐसा न करने पर जान से मारने की धमकी दी गई। उसने स्वयं को बिश्नोई गिरोह का सदस्य बताया।

ऑडियो क्लिप भेजकर दी धमकी

20 फरवरी को भी उनके पास अंतरराष्ट्रीय नंबर से चार वाट्सएप कॉल आए। जब उन्होंने जवाब नहीं दिया तो संदिग्ध ने दोपहर 12:29 बजे उनके मोबाइल पर एक ऑडियो क्लिप भेजा, जिसमें जान से मारने की धमकी दी गई थी।

नौपाड़ा पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ निरीक्षक अभय चंद्रनाथ महाजन ने बताया कि कारोबारी की शिकायत, वाट्सएप कॉल और आडियो क्लिप के आधार पर 20 फरवरी को एफआईआर दर्ज की गई। उन्होंने बताया कि इस मामले में अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है।

कैची से जानलेवा हमला, एक आरोपी गिरफ्तार, दो फरार

मुंबई. दहिसर (पूर्व) के रावल पाड़ा इलाके में एक युवक पर कैची से जानलेवा हमला किए जाने की सनसनीखेज घटना सामने आई है। पुलिस ने इस मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि दो अन्य आरोपी फरार बताए जा रहे हैं। गिरफ्तार आरोपी की पहचान संमुगम उर्फ अण्णा के रूप में हुई है। वहीं फरार आरोपियों के नाम सुजल निकम और सुजल पांचाळ बताए जा रहे हैं। पुलिस फरार आरोपियों की तलाश में जुटी है और मामले की जांच जारी है। घटना रावल पाड़ा के शनिमंदिर के पास एस.एन. दुबे रोड इलाके की है। जानकारी के अनुसार विजय राजेंद्र चव्हाण शाम अपने काम से घर लौट रहे थे। तभी इलाके के तीन युवकों ने उन्हें रोक लिया और गाली-गलौज करते हुए विवाद शुरू कर दिया।

PM कार्नी की भारत यात्रा से पहले कनाडा का बड़ा कदम

मुंबई हमले के आरोपी तहव्वुर राणा पर एक्शन की तैयारी

मुंबई. कनाडा सरकार ने 26/11 मुंबई आतंकी हमले के मुख्य साजिशकर्ता तहव्वुर हुसैन राणा की नागरिकता रद्द करने की प्रक्रिया कथित तौर पर शुरू कर दी है. यह कदम कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी की 26 फरवरी को होने जा रही भारत यात्रा से पहले उठाया गया है. इससे पहले जस्टिन ट्रूडो सरकार के दौरान भारत-कनाडा संबंधों में तनाव आ गया था लेकिन अब नई कार्नी सरकार रिश्तों पर पटरी पर लाने की कोशिश में है.

पाकिस्तान में जन्मा राणा फिलहाल भारत की हिरासत में हैं और 2008 के मुंबई आतंकी हमलों के मामले में मुकदमे का इंतजार कर रहा है. यह हमला पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा ने किया था, जिसमें 160 से ज्यादा लोग मारे गए थे.

कनाडाई मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, इमिग्रेशन, रिफ्यूजीज एंड सिटिजनशिप कनाडा (IRCC) ने राणा को बताया है कि 2001 में मिली उसकी कनाडाई नागरिकता छीनी जा सकती है. 65 साल का तहव्वुर राणा 1997 में कनाडा गया था. IRCC के मुताबिक, राणा ने 2000 में नागरिकता के लिए आवेदन करते समय कनाडा में अपने रहने के बारे में गलत जानकारी दी थी.

रिपोर्ट के अनुसार, राणा ने दावा किया था कि वह चार साल तक ओटावा और टोरंटो में रहा और इस दौरान केवल छह दिन देश से बाहर था. लेकिन रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस (RCMP) की जांच में सामने आया कि वह ज्यादातर समय शिकागो में था, जहां उनके कई घर और व्यवसाय थे, जिनमें इमिग्रेशन कंसल्टेंसी और किराना दुकान शामिल थी. विभाग ने उस पर "गंभीर और जानबूझकर धोखा" देने का आरोप लगाया है. अधिकारियों का कहना है कि अगर सही जानकारी दी जाती, तो उसे कनाडा की नागरिकता नहीं मिलती.

एक्सप्रेस के नीचे ट्रैक पर गिरी महिला, कंधे से हाथ टूटा

ठाणे. ठाणे रेलवे स्टेशन पर महानगरी एक्सप्रेस में चढ़ने के दौरान एक महिला फिसलकर कोच नंबर एस-5 और एस-6 के नीचे ट्रैक पर गिर गयी. जिसकी वजह से उसका एक हाथ कंधे से टूट गया जबकि पैर व पेट में गंभीर चोट आया है.उसको इलाज के लिए सायन स्थित लोकमान्य तिलक अस्पताल में भर्ती कराया गया है.

बताया गया कि ट्रेन प्लेटफार्म पर रुक ही रही थी उसी समय महिला चढ़ने की कोशिश की और फिसल कर गिर गयी. स्टेशन मास्टर को जानकारी मिलने के बाद आरपीएफ के जवान व पोटर मौके पर पहुंच गए. उसे निकाल कर कलवा स्थित मनपा अस्पताल में ले जाया गया उसके बाद उसे सायन अस्पताल भेज दिया गया.घायल महिला का नाम सीमा शब्बीर शेख बताया गया. दुर्घटना के बाद उसके परिजनों को जानकारी दी गयी. घायल महिला का मोबाइल फ़ोन उसके परिजनों को दे दिया गया. डॉक्टर ने बताया है कि इलाज के दौरान वह होश में थी.

ठाणे जिला सिविल सर्जन डॉ. कैलास पवार को मिला 'वंदनीय बालासाहेब ठाकरे आरोग्य रत्न' पुरस्कार

ठाणे. सिविल सर्जन डॉ. कैलास पवार मुश्किल समय कोरोना काल में भी अपनी हिम्मत और इंसानियत नहीं छोड़ी। राज्य सरकार ने 'वंदनीय बालासाहेब ठाकरे आरोग्य रत्न' पुरस्कार दिया है। यह उनके शानदार काम के लिए राज्य स्तर पर दिया जाने वाला सम्मान है और इसे ठाणे जिला के लिए गर्व और प्रेरणा देने वाला पल माना जा रहा है।

मुंबई के यशवंतराव चव्हाण सेंटर में हुए एक बड़े समारोह में, राज्य के स्वास्थ्य मंत्री प्रकाश अबिटकर,स्वास्थ्य राज्य मंत्री मेघना साकोरे बोर्डिकर, उपमहापौर संजय घाडी, स्वास्थ्य सचिव ई. रवींद्रन,स्वास्थ्य आयुक्त कादंबरी बालकवड़े ने डॉ. पवार को मेडल, सर्टिफिकेट और कैश प्राइज़ दिया। यह समारोह अलग-अलग फील्ड के जाने-माने लोगों, हेल्थ अधिकारियों और सोशल वर्कर्स की मौजूदगी में हुआ।डॉ. पवार ने अपनी सर्विस के दौरान 'पेशेंट फर्स्ट' के मंत्र को कायम रखते हुए हेल्थ सिस्टम को नई ताकत दी। कोरोना के मुश्किल समय में ठाणे सिविल अस्पताल में काम करते हुए उन्होंने जो लीडरशिप, ध्यान से प्लानिंग और असरदार कोऑर्डिनेशन स्किल्स दिखाईं, उन्हें आज भी बहुत से लोग याद करते हैं। सबसे मुश्किल हालात में भी, उन्होंने दिन-रात काम किया ताकि मरीजों को सही इलाज, ज़रूरी सुविधाएं और साइकोलॉजिकल सपोर्ट मिल सके।सिविल अस्पताल पहले 976 बेड की कैपेसिटी थी अब बढ़ाकर 2572 बेड तक करने में उनका अहम रोल रहा है। भविष्य में, इस कैपेसिटी को 4610 बेड तक बढ़ाने की प्लानिंग चल रह रहा है।

धारावी में छापे में लाखों की दवाइयां ज़ब्त

मुंबई. स्टेट फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन ने मुंबई में गैर-कानूनी तरीके से दवा रखने के एक मामले का पर्दाफ़ाश किया है। धारावी के कुंभारवाड़ा इलाके में रेड के दौरान लाखों रुपये की दवाएँ ज़ब्त की गईं। दवाएँ बिना वैलिड लाइसेंस के स्टोर की जा रही थीं। सायन का मेडिकल स्टोर कुंभारवाड़ा में गैर-कानूनी गोदाम चला रहा था. FDA की मुंबई इंटेलिजेंस ब्रांच को जानकारी मिली थी कि सायन में मौजूद मेसर्स अपना मेडिकल एंड जनरल स्टोर्स बिना ज़रूरी लाइसेंस के एक जगह पर सलाइन और दूसरी दवाएँ स्टोर कर रहा था।

आम सूचना

मैं श्रीमती काजल वालमीक जडगे सभी को सूचित कर रही हूं कि रुम, बैरक नं. 30 के पास, उल्हासनगर-1. (टैक्स नं. 08एओ017839800) उक्त प्रॉपर्टी श्रीमती सवीता वालमीक मोरे और अन्य दो जनों के नाम पर है। उन्होंने रिलीज एग्रीमेंट दि. 23.2.2026 सी.नं. 6/137 मुझे दी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहती हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री परमानंद मेंघराज खत्री

आम सूचना

मैं श्रीमती मनीषा विशिनदास छाब्रिया सभी को सूचित कर रही हूं कि फ्लैट नं. 402, डीके अपार्टमेंट, रुम नं. 1-2, बैरक नं. 286, वासुदेव पैलेस के पीछे, भाजी मार्केट, खेमानी, उल्हासनगर- 2. (टैक्स नं. 20बीआय016470100) उक्त प्रॉपर्टी श्री रमेशलाल एस. लखवाणी के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 7.10.1999 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहती हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्रीमती मनीषा विशिनदास छाब्रिया

आम सूचना

मैं श्रीमती सरोज कुनूलाल कोरी सभी को सूचित कर रही हूं कि रुम नं. 19, बैरक नं. 1761-बी, उल्हासनगर- 5. (टैक्स नं. 53डीआय018707300) उक्त प्रॉपर्टी श्री सुधामो मोतीराम तन्ना व श्री राजेश पूरण तन्ना के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहती हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्रीमती सरोज कुनूलाल कोरी

आम सूचना

मैं मिस मानसी विजयकुमार छाब्रिया सभी को सूचित कर रही हूं कि फ्लैट नं. 401, चौथा माला, डीके अपार्टमेंट, रुम नं. 1-2, बैरक नं. 286, उल्हासनगर- 2. (टैक्स नं. 20बीआय016470000) उक्त प्रॉपर्टी श्री सुरेश गुमूमल चांडवाणी के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 5.12.2025 सी.नं. 7/123 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहती हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
मिस मानसी विजयकुमार छाब्रिया

आम सूचना

हम श्री राकेश रामबचन राजभर व श्री ब्रजेश बचन सभी को सूचित कर रहे हैं कि रुम नं. 2, बैरक नं. 578, खेमानी रोड के पास, उल्हासनगर- 2 (टैक्स नं. 17एआय015959300(पार्ट) उक्त प्रॉपर्टी श्री जयरामदास सतरामदास आहुजा के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 16.7.2025 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद हम अपने नाम करवाना चाहते हैं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री राकेश रामबचन राजभर
व श्री ब्रजेश बचन

'कांतारा' विवाद को लेकर रणवीर सिंह को फटकार

कर्नाटक हाईकोर्ट ने कहा-सेलिब्रिटी होने से धार्मिक भावनाएं आहत करने का अधिकार नहीं

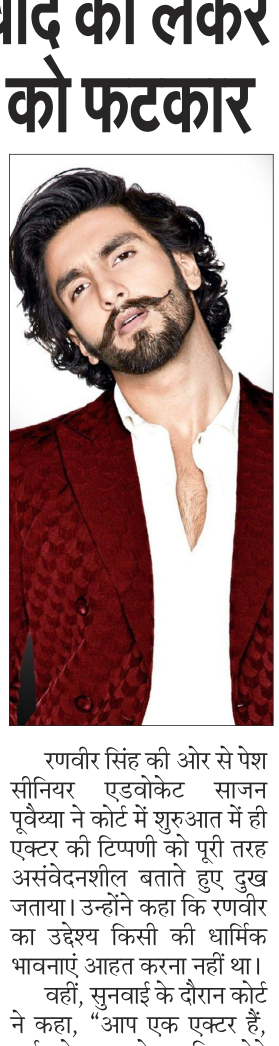

कर्नाटक हाईकोर्ट ने मंगलवार को एक्टर रणवीर सिंह को 'कांतारा' विवाद मामले में फटकार लगाते हुए कहा कि आपको अपने बयानों में जिम्मेदार होना चाहिए। सिर्फ सेलिब्रिटी होने के कारण उन्हें किसी समुदाय की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने का अधिकार नहीं है।

कोर्ट ने एक्टर से यह भी कहा कि सार्वजनिक कार्यक्रमों में जाते समय उन्हें अपने शब्दों और व्यवहार में सावधानी बरतनी चाहिए। ढीली-ढाली भाषा बिल्कुल नहीं चल सकती। आप रणवीर सिंह हों या कोई।

रणवीर को अंतरिम राहत भी दी

वहीं, कोर्ट ने रणवीर को अंतरिम राहत भी दी और राज्य सरकार को निर्देश दिया कि अगली सुनवाई तक उनके खिलाफ कोई सख्त कार्रवाई न की जाए। मामले की अगली सुनवाई सोमवार, 2 मार्च को होगी।

रणवीर सिंह की ओर से पेश सीनियर एडवोकेट साजन पूवैय्या ने कोर्ट में शुरुआत में ही एक्टर की टिप्पणी को पूरी तरह असंवेदनशील बताते हुए दुख जताया। उन्होंने कहा कि रणवीर का उद्देश्य किसी की धार्मिक भावनाएं आहत करना नहीं था।

वहीं, सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा, "आप एक एक्टर हैं, कई लोग आपसे प्रभावित होते हैं। इसलिए जिम्मेदारी जरूरी है। मिमिक्री करना अलग बात है, लेकिन किसी की धार्मिक भावनाएं आहत करने का

मुंबई-प्रयागराज के बीच चलेगी 44 स्पेशल ट्रेनें

मुंबई. गर्मी की छुट्टियों के दौरान मुंबई और प्रयागराज के बीच भारी भीड़ को देखते हुए भारतीय रेलवे ने बड़ा कदम उठाया है। यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को संभालने के लिए रेलवे ने लोकमान्य तिलक टर्मिनस (एलटीटी) और प्रयागराज के बीच 44 साप्ताहिक विशेष ट्रेनों के संचालन की घोषणा की है। ये विशेष सेवाएं फरवरी से जुलाई 2026 तक अलग-अलग अवधियों में चलाई जाएंगी, जिससे होली और गर्मी की छुट्टियों में सफर करने वाले यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी।

ट्रेन संख्या 04102 साप्ताहिक विशेष 17 फरवरी से 14 जुलाई 2026 तक प्रत्येक मंगलवार को लोकमान्य तिलक टर्मिनस से शाम 16:55 बजे रवाना होगी और अगले दिन शाम 17:00 बजे प्रयागराज पहुंचेगी।

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099